

खबर संक्षेप



रीवा पंचायत में विशेष ग्राम सभा पीएम आवास सूची का हुआ वाचन
आरंग। गुरुवार को ग्राम पंचायत रीवा में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। बैठक में डॉ. दुर्जेराम साहू को सभापति चुना गया। ग्राम के सरपंच घंसियाराम साहू ने बताया कि बैठक में सभी पंचों ने अपने-अपने वार्ड की प्रधानमंत्री आवास सूची का सार्वजनिक रूप से वाचन किया। तत्पश्चात ग्राम विकास संबंधी अन्य मुद्दों पर चर्चा एवं रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। सभा को सभापति डॉ. दुर्जेराम साहू, सरपंच घंसियाराम साहू सहित ग्राम के अन्य वरिष्ठ नागरिकों ने भी संबोधित किया। इस विशेष ग्राम सभा को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर सरपंच, उपसरपंच व सभी पंचों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

चारागाह भूमि पर निजी सड़क पुलिया निर्माण की शिकायत आरंग। विकासखंड आरंग के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बोडरा में चारागाह (सरकारी गोचर भूमि) पर अवैध निर्माण का मामला प्रकाश में आया है। एसडीएम से शिकायत करते हुए ग्रामीणों ने भू-माफियाओं को लाभ पहुंचाने के लिए बिना शासकीय स्वीकृति और बिना ग्रामसभा के प्रस्ताव के लगभग 500 मीटर लंबी निजी सड़क और पुलिया का निर्माण धड़ल्ले से कराने की बात कही है। ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी आरंग से इस अवैध निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायती पत्र के अनुसार बोडरा की चारागाह भूमि के एक बड़े हिस्से पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। यहाँ लगभग 30 फीट चौड़ा और 500 मीटर लंबी सरकारी जमीन पर बाहरी मजदूरों और भारी मशीनों के जरिए कराया जा रहा है। क्योंकि इस सड़क के बनने से भूमाफियाओं की जमीन की कीमत बढ़ जाएगी।

पीएमश्री सेजेंस के तीन विद्यार्थियों का इस्पायर अवार्ड के लिए चयन



अभनपुर। पीएमश्री सेजेंस हिन्दी, अंग्रेजी माध्यम विद्यालय अभनपुर के तीन विद्यार्थियों का चयन इस्पायर अवार्ड मानक योजना के अंतर्गत हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में कुमारी गीतांजलि तारक, रेणुका साहू एवं दीक्षा साहू शामिल हैं। इन विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारी विचार प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता का परिचय दिया। इस सफलता में मार्गदर्शक शिक्षक हेमन्त कुमार साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही उनके निर्देशन में विद्यालय के विद्यार्थी पूर्व में भी इस्पायर अवार्ड, राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी सहित अन्य आयोजनों में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक चयनित हो चुके हैं। प्राचार्य डॉ. तारा त्रिपाठी ने इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना विकसित करती हैं। इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी धरमचंद जैन, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेश साहू, बीआरसीसी राकेश साहू, सहित विद्यालय परिवार ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं।
तृतीय लिंग समुदाय को रोजगार देने वॉक-इन-इंटरव्यू 2 जुलाई को
रायपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा तृतीय लिंग समुदाय के लोगों को रोजगार देने के लिए 2 जुलाई को वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित करेगा। यह इंटरव्यू रायपुर स्थित गांधी चौक में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। इस वॉक-इन-इंटरव्यू में अर्नेस्ट एस.जी.एस. प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सिस्कोरिटी गार्ड के कुल 20 पदों पर भर्ती की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत भी बेअसर, रेत माफिया कर रहे अवैध भंडारण

कुटेला निस्तारी तालाब में रेत डंपिंग के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ►► आरंग

क्षेत्र में रेत के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में नाकाम प्रशासन के खिलाफ आखिरकार जनता का सब्र टूट गया। आरंग के ग्राम पंचायत कुटेला में रेत माफियाओं की मनमानी और अधिकारियों की रहस्यमयी चुप्पी से नाराज होकर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने आरंग-चीखली मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। सड़क पर ग्रामीणों के बैठते ही मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि खनिज विभाग की साठगोट के चलते क्षेत्र में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण का खेल धड़ल्ले से फल-फूल रहा है।मामले में रेत माफियाओं की बेखौफ कार्यशैली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने ग्रामीणों के उपयोग वाले निस्तारी तालाब को भी नहीं बख्शा। माफियाओं द्वारा इस तालाब को जबरन पाटकर वहां रेत का



■ सीएम हेल्पलाइन की शिकायत भी बेअसर

अवैध डंपिंग यार्ड बना दिया गया है, जिससे ग्रामीणों के सामने निस्तार का संकट खड़ा हो गया है। ग्राम सरपंच द्वारा इस संबंध में लगानार स्थानीय स्तर पर शिकायतें की गईं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे ठंडे

बस्ते में डाल दिया। हद तो तब हो गई जब ग्रामीणों ने इसकी शिकायत सीधे सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कराई, परंतु वहां से भी आशवासन के अलावा धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।इस पूरे घटनाक्रम ने खनिज विभाग को सीधे तौर पर कटघरे में खड़ा कर दिया है।

ठोस कार्रवाई की मांग पर अड़े ग्रामीण, मौके पर पहुंची पुलिस

क्षेत्र में प्रतिदिन हो रहे करोड़ों रुपये के रेत के इस अवैध खेल पर कार्रवाई न होना विभाग की संदेहस्पद मुमिका को उजागर करता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक इस अवैध भंडारण को पूरी तरह नहीं हटाया जाता और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे सड़क से नहीं हटेंगे। इधर, चक्काजाम और बढ़ते हंगामे की सूचना मिलते ही आरंग पुलिस की टीम दलबल के साथ मौके पर पहुंच चुकी है। पुलिस अधिकारी आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराने और सड़क से जाम हटवाने के लिए लगातार समझाइश देने में जुटे हैं, लेकिन ग्रामीण मौके पर ही ठोस कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। ग्रामीण इस बात से बेहद आक्रोशित हैं कि जिस व्यवस्था को अवैध कारोबार रोकने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह मूकदर्शक बनी हुई है। सरपंच से लेकर ग्रामीणों तक की गुहार को अनसुना कर प्रशासन ने खुद माफियाओं के हाँसेले बुलंद किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप आज जनता को अपनी बुनियादी मांगों के लिए सड़क पर उतरना पड़ा।

सिलयारी के राजीव अंतरराष्ट्रीय मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में भारत का करेंगे प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ►► सिलयारी

राजधानी रायपुर लगे ग्राम मांदर के मार्शल आर्ट खिलाड़ी राजीव कुमार साहू एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राजीव दिल्ली के ऐतिहासिक ताल कटोरा स्टेडियम में आयोजित होने जा रही प्रतिष्ठित मैटसोगी-डो चैंपियनशिप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत समेत कुल 6 देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें नेपाल, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, भारत और कजाकिस्तान शामिल हैं। इन देशों के दिग्गजों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। राजीव कुमार साहू के लिए यह चैंपियनशिप बेहद खास और भावुक कर देने वाली है। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2019 में खेला था, जहां उन्होंने अपने शानदार खेल की बौलत भारत के लिए रजत पदक जीता था। इसके बाद परिस्थितियों और एक लंबे अंतराल के कारण वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं खेल पाए

धरसीवां व खरोरा स्वास्थ्य केंद्रों को मिले नए डॉक्टर

धरसीवां। विधायक अनुज शर्मा के प्रयासों से धरसीवां और खरोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नए डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। इस पहल से अब स्थानीय मरीजों को इलाज के लिए रायपुर नवीं भागना पड़ेगा और क्षेत्र के दर्जनों गांवों को चौबीसों घंटे आपातकालीन व ओपीडी सुविधाएं मिलेंगी। विधायक अनुज शर्मा ने इसके लिए मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री का आभार जताते हुए इसे नागरिकों के स्वास्थ्य की गारंटी बताया है। डॉक्टरों की पदस्थापना से क्षेत्र की जनता में हर्ष की लहर है।



फाईल फोटो

आपूर्ति न होने से किसान परेशान

खेतों के लिए मजदूर नहीं मिल रहे, हरियाणा के करगानाशक धान बीज की भारी मांग

हरिभूमि न्यूज ►► आरंग

मानसून की अनिश्चितता और खेतों में मजदूरों की भारी कमी से जूझ रहे क्षेत्र के किसानों के लिए इस बार हरियाणा निर्मित ‘करगा नाशक फूल पेज’ धान का बीज पहली पसंद बनकर उभरा है। खरपतवार नियंत्रण और कम श्रम में बेहतर खेती का विकल्प देने वाले इस बीज की मांग बाजार में अचानक बेहद तेजी से बढ़ गई है। हालांकि, ऐन वक्त पर बाजार में इसकी पर्याप्त आपूर्ति न होने के कारण किसानों को भारी किल्लत और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी बुवाई प्रभावित होने की आशंका गहरा गई है।क्षेत्र के किसानों के अनुसार, सवन्नाथ सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे फूल पेज



(बीज का नाम) पैकेट में 3.5 किलो मे एक एकड़ के लिए उपलब्ध इस खास बीज के उपयोग से खेती की लागत और मेहनत में भारी कमी आती है। इस बीज की बुवाई के 15 दिन बाद अमोनियम सल्फेट का घोल डालने और एक माह के भीतर दो बार इसका छिड़काव करने पर खेत में खरपतवार पनपने की संभावना खत्म हो जाती है। मजदूरों की लगातार

बढ़ती किल्लत के बीच यह तकनीक किसानों के लिए संकटमोचक साबित हो रही है। यही वजह है कि बाजार में इस बीज की जबरदस्त मांग है। उत्पादन और कीमतों के मामले में भी यह बीज इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है।
बीज की पर्याप्त उपलब्धता हो : आरंग लखौली क्षेत्र के अधिकांश गांवों में धान बुवाई के पूर्व इस बीज को हासिल करने के लिए भटक रहे हैं। आपूर्ति ठप होने से क्षेत्र के किसानों में आक्रोश और चिंता साफ देखी जा रही है। किसानों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि खेती के कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिए बाजार में इस बीज की पर्याप्त और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए, ताकि उन्हें सीजन में किसी तरह का नुकसान न उठाना पड़े।

बंपर उत्पादन का दावा पर भटक रहे किसान

प्रगतिशील किसानों का दावा है कि यदि अनुशंसित और वैज्ञानिक तरीके से इसकी खेती की जाए, तो प्रति एकड़ 25 से 30 क्विंटल तक का बंपर उत्पादन लिया जा सकता है। हालांकि, कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि वास्तविक उत्पादन पूरी तरह से मिट्टी की गुणवत्ता, मौसम के मिजाज, समय पर सिंचाई और उचित वैज्ञानिक प्रबंधन जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है। बाजार में इसकी कीमतों की बात करें तो इसका 10 किलो 500 ग्राम का पैक लगभग 7,500 रुपये तथा 3 किलो 500 ग्राम का छोटा पैक करीब 750 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है।

आसपास **हरिभूमि** 10

आयुष स्वास्थ्य मेला में 367 मरीजों का इलाज



हरिभूमि न्यूज ►► अमनपुर

आयुष विभाग द्वारा जिला आयुष अधिकारी डॉ. स्वाति रावत के मार्गदर्शन में ग्राम बेलर में प्रथम विकासखंड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला संपन्न हुआ। शिविर प्रभारी डॉ. विनीता सोनवानी ने बताया कि मेले में कुल 367 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं औषधि वितरण किया गया। शिविर के दौरान 211 लोगों का रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) तथा 63 मरीजों की ब्लड शुगर जांच निःशुल्क की गई साथ ही आवश्यकतानुसार दवाइयों का वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य संवर्धन के उद्देश्य से सैकड़ो लोगों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु आयुष क्वाथ वितरित किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों का आयुर्वेद की दिनचर्या, ऋतुचर्या तथा

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्वास्थ्य एवं योग संबंधी विभिन्न ब्रोशर भी वितरित किए गए,योग प्रशिक्षक श्रीमती भुवनेश्वरी साहू ने ग्रामीणों को विभिन्न योगासन एवं उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी तथा नियमित योग अभ्यास के लिए प्रेरित किया। शिविर में सरपंच श्रीमती शीला देवी टंडन,चन्द्रशेखर साहू,मनोज सोनवानी,डॉ. शीतला देवी चौहान, डॉ. शशि भूषण तिवारी, डॉ. डोला नारायण पटेल, डॉ. दीपति श्रीवास, डॉ. अंकिता पटेल,चोवा राम साहू, हेमंत कुमार मेंश्राम, तोषण साहू, दुर्गा प्रसाद देवांगन, पुष्पा सोनवानी, शैलेन्द्र देवांगन, अंकित हलधर, प्रेम साहू, डेमन यादव सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिक्षिका से छेड़छाड़ और जानलेवा हमला, प्रधान पाठक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► धरसीवा

ब्लॉक मुख्यालय धरसीवा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत तरेसर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला से एक बेहद शर्मसार और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। स्कूल के ही प्रधान पाठक ने सारी मर्यादाओं को ताक पर रखकर अपनी सहकर्मी महिला शिक्षक के साथ न केवल दरिंदगी की हदें पार करने की कोशिश की, बल्कि विरोध करने पर उसे जान से मारने का भी प्रयास किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पथरी निवासी 50 वर्षीय जय राम सेन तरेसर

प्राथमिक शाला में प्रधान पाठक के पद पर पदस्थ है। बताया जा रहा है कि आरोपी प्रधान पाठक पिछले कई महीनों से स्कूल परिसर के भीतर ही वहां पदस्थ एक महिला शिक्षिका को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। वह आए दिन महिला टीचर के साथ छेड़छाड़ करता और स्कूल के माहौल को खराब कर उसे परेशान रखता था। लोकलाज और काम के माहौल को बनाए रखने के चलते पीड़ित महिला लगातार उसकी हरकतों को सहती रही, लेकिन बीते 24 जून को आरोपी की प्रवृत्तियों ने बेहद भयानक रूप अख्तियार कर लिया।

विरोध करने पर प्रधान पाठक ने दबाया महिला शिक्षिका का गला, गिरफ्तार

बता दें कि बुधवार, 24 जून की सुबह करीब दस बजे जैसे ही स्कूल खुला, आरोपी प्रधान पाठक जय राम सेन ने अपनी गरिमा को भूलकर महिला शिक्षिका के साथ दोबारा छेड़छाड़ शुरू कर दी और अश्लील व गंदे ह्शारे करने लगा। गुस्से में तमतमाए प्रधान पाठक ने सरेराह स्कूल के भीतर ही महिला टीचर का गला दबा दिया और उन्हें जान से मारने की कोशिश करने लगा। महिला को चीख-पुकार सुनकर स्कूल में मौजूद अन्य शिक्षक तुरंत मौके की तरफ दौड़े। वहीं महिला की रिपोर्ट पर सिलयारी पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल तत्परता दिखाई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रधान पाठक जय राम सेन को उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया है और उसे सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।

पुलिस ने आरोपी को खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 74 (महिला की लज्जा भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग), धारा 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और धारा 351(3) (आपराधिक धमकी देना) के तहत अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। श्री सुशील वर्मा चौकी प्रभारी सिलयारी ने कहा की तरेसर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में महिला शिक्षिका के साथ छेड़छाड़ और जानलेवा हमले की गंभीर शिकायत प्राप्त हुई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रधान पाठक को गिरफ्तार कर लिया है।



नए बीईओ धर्मदास का कर्मचारी संघ ने किया आत्मीय स्वागत



हरिभूमि न्यूज ►► अमनपुर

विकासखंड अभनपुर में पदस्थ नए विकासखंड शिक्षा अधिकारी धर्मदास जैन का छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ अभनपुर के पदाधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात कर शिक्षा विभाग से जुड़े विभिन्न मुद्दों एवं कर्मचारियों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री जैन ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण के लिए आवश्यक एवं उचित कार्रवाई का आशवासन दिया उन्होंने विशेष रूप से मर्ज किए गए विद्यालयों में आ रही तकनीकी समस्याओं को दूर कर कार्यप्रणाली में एकरूपता लाने की बात कही। साथ ही प्रधान पाठकों की बैठक आयोजित कर विभिन्न प्रशासनिक एवं शैक्षणिक विषयों पर चर्चा करने की भी जानकारी दी,श्री जैन ने विभागीय कार्यों के सुचारु संचालन के लिए सभी कर्मचारियों से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की, जिस पर कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर कर्मचारी संघ के तहसील अध्यक्ष बुद्धेश्वर वर्मा, संरक्षक पवन गुरुपंच, ब्लॉक उपाध्यक्ष बुलाकी राम एनेश्वरी, सचिव तानसिंह ध्रुव, भुखुलाम ध्रुव, मदनलाल चंदन, हरिश्चन्द्र साहू, मनोज कुमार साहू सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जीएसटी और इनकम टैक्स पर विशेष सेमिनार 27 को

तिल्दा नेवरा। जेसीआई जूनियर चैंबर ऑफ इंडिया रायपुर मेट्रो के तत्वावधान में 27 जून को पूज्य सिंधी पंचायत हाल, तिल्दा में जीएसटी एवं इनकम टैक्स विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। सेमिनार में प्राइम नेशनल ट्रेनर सीए चेतन तारवानी व्यापारियों, उद्यमियों एवं कर्ददाताओं को जीएसटी और इनकम टैक्स से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयें प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में टैक्स संबंधी मूलभूत नियमों, जीएसटी के प्रावधानों, आयकर रिटर्न फाइलिंग, टैक्स प्लानिंग तथा संपत्ति बंटवारे से जुड़े कानूनी पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जाएगा। जेसीआई रायपुर मेट्रो के अध्यक्ष तरुण बन्ना ने बताया कि

जीएसटी और आयकर विभाग की नोटिस मिलने पर अधिकांश व्यापारी तनाव और असमंजस की स्थिति में आ जाते हैं। ऐसे में विशेषज्ञों द्वारा उन्हें यह समझाया जाएगा कि विभागीय प्रक्रियाओं का सही तरीके से सामना कैसे किया जाए तथा कानूनी रूप से अपने दस्तावेजों और कर संबंधी मामलों को कैसे व्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने बताया कि यह सेमिनार व्यापारियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा, जहां उन्हें व्यावहारिक अनुभवों के आधार पर कई महत्वपूर्ण जानकारीयें प्राप्त होंगी। जेसीआई रायपुर मेट्रो ने क्षेत्र के सभी व्यापारियों, उद्यमियों एवं कर्ददाताओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

15वें वित्त आयोग से मिली राशि का देना होगा हिसाब, उपयोगिता प्रमाणपत्र और निर्माण के सुबूत के लिए फोटो भी

हरिभूमि न्यूज►►रायपुर

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को 15वें वित्त आयोग से करोड़ों रुपए मिले हैं, इस राशि से बड़ी संख्या में निर्माण कार्य भी कराए गए हैं, लेकिन निकायों ने राशि का हिसाब नहीं दिया, न ही राशि के उपयोग संबंधी उपयोगिता प्रमाण पत्र दिए हैं।

इस मामले को लेकर अब नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की आपत्ति के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों से निर्माण कार्यों एवं सामग्री खरीदी के उपयोगिता प्रमाण-पत्र और सत्यापित फोटोग्राफ उपलब्ध कराने को कहा है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास ने जारी किया आदेश, सीएजी और राज्य संपरीक्षा की है आडिट आपत्ति

सीएजी ने क्या आपत्ति लगाई ?

संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा इस संबंध में जारी पत्र में कहा गया है कि 15वें वित्त आयोग के तहत जारी स्वीकृति पत्रों में स्पष्ट शर्त रखी गई थी कि स्वीकृत राशि के उपयोगिता प्रमाण-पत्र और सत्यापित फोटोग्राफ निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराए जाएंगे। लेकिन अधिकांश निकायों ने इस शर्त का पालन नहीं किया। दस्तावेज में उल्लेख है कि इसी संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा (सीएजी ऑडिट) की वर्ष 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट की कंडिका 14.13 (11) में भी आपत्ति दर्ज की गई है। यानी



ऑडिट में यह पाया गया कि अनुदान राशि खर्च किए जाने के बावजूद उसके उपयोग के पर्याप्त दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए गए।

आखिर क्यों महत्वपूर्ण है उपयोगिता प्रमाणपत्र ?

किसी भी सरकारी अनुदान के मामले में उपयोगिता प्रमाणपत्र सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता है। इसके माध्यम से संबंधित निकाय यह प्रमाणित करता है कि प्राप्त राशि उसी उद्देश्य पर खर्च की गई, जिसके लिए उसे स्वीकृत किया गया था। यदि उपयोगिता प्रमाण-पत्र समय पर प्रस्तुत नहीं किए जाते, तो भविष्य में मिलने वाले अनुदान प्रभावित हो सकते हैं। कई मामलों में केंद्र और राज्य सरकारें अगली किश्त जारी करने से पहले पिछली राशि के उपयोग का प्रमाण मांगती हैं।

अब क्या जानकारी मांगी गई है

विभाग ने सभी क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधीन आने वाले निकायों से वर्षवार जानकारी एकत्र करें। इसमें शामिल हैं- 15वें वित्त आयोग के तहत प्राप्त राशि का विवरण। विभिन्न कार्यों पर खर्च की गई राशि। सामग्री और मशीनरी की खरीद का ब्योरा। उपयोगिता प्रमाण-पत्र, कार्यों के सत्यापित फोटोग्राफ। शेष बची राशि का विवरण। इसके लिए विभाग ने अलग-अलग प्रारूप भी जारी किए हैं, जिनमें वर्ष 2020-21 से लेकर 2025-26 तक प्राप्त और व्यय की गई राशि का विवरण भरना होगा।

15वें वित्त आयोग से कितना पैसा मिला

15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 तक रही। इस दौरान देशभर के शहरी स्थानीय निकायों को जलापूर्ति, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सार्वजनिक स्वास्थ्य और शहरी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपये दिए गए। छत्तीसगढ़ के नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को भी इसी अवधि में बड़ी मात्रा में अनुदान प्राप्त हुआ। इन निधियों का उपयोग सड़क, नाली, पेयजल, कचरा प्रबंधन, स्टीट लाइट, पार्क और अन्य नागरिक सुविधाओं के निर्माण में किया गया।

फोटोग्राफ क्यों मांग रही सरकार

विभाग ने केवल उपयोगिता प्रमाण-पत्र ही नहीं बल्कि कार्यों के सत्यापित फोटोग्राफ भी मांगे हैं। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि ऑडिट के दौरान यह प्रमाणित किया जा सके कि जिस कार्य के लिए राशि स्वीकृत हुई थी, वह वास्तव में धरातल पर पूरा हुआ या नहीं। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों में ऑडिट एजेंसियों ने पाया है कि कई बार कागजों में कार्य पूर्ण दिखा दिए जाते हैं, जबकि मौके पर स्थिति अलग होती है। इसी कारण अब फोटो आधारित सत्यापन को भी महत्व दिया जा रहा है।

वित्तीय अनुशासन पर बढ़ा दबाव

जानकारों का मानना ​​है कि यह केंबल दस्तावेज जुटाने की कवायद नहीं है, बल्कि 15वें वित्त आयोग की राशि के उपयोग पर बढ़ती निगरानी का हिस्सा है। यदि निकाय समय पर प्रमाण-पत्र और साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं तो उन्हें भविष्य में मिलने वाले अनुदान और वित्तीय स्वीकृतियों पर असर पड़ सकता है।

खबर संक्षेप



आयुष स्वास्थ्य शिविर में 367 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण

रायपुर। आयुष विभाग ने अभनपुर के ग्राम बेलर में प्रथम विकासखंड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। शिविर प्रभारी डॉ. विनीता सोनवानी ने बताया कि शिविर में कुल 367 मरीजों को निःशुल्क जांच की गई। इस दौरान 211 मरीजों का ब्लड प्रेशर एवं 63 मरीजों का ब्लड शुगर परीक्षण कर उन्हें आवश्यक औषधियां उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा 150 लोगों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुष क्वाथ वितरित किया। शिविर में दैनिक जीवन में आयुर्वेद की दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं योग के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में डॉ. शीतला देवी चौहान, डॉ. शशि भूषण तिवारी, डॉ. डोलानारायन पटेल, डॉ. दीपति श्रीवास, डॉ. अंकिता पटेल सहित चोबा राम साहू, हेमंत कुमार मेश्राम, तोषण साहू, दुर्गा प्रसाद देवांगन, पुष्पा सोनवानी, शैलेन्द्र देवांगन, अंकित लक्ष्मर, डेमन यादव ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

महिलाओं ने सामूहिक रूप से किया गायत्री मंत्र का जाप



रायपुर। गायत्री जयंती के अवसर पर हरसंभव फाउंडेशन की महिलाओं ने गुरुवार को सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र का जाप किया। इस मौके पर संस्था की पदाधिकारियों ने बताया कि गायत्री मंत्र के उच्चारण मात्र से ज्ञानपीठ प्रकाशमान होता है, आत्मिक शांति आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सकारात्मक बुद्धि विकास प्राप्त होती है। इस मंत्र को विद्यालय में विद्यार्थियों को नियमित रूप से जरूर कराना चाहिए। इस अवसर पर हरसंभव फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष पुष्पलता त्रिपाठी, नेहा संतोषवार, ममता गुप्ता, सुनीता सिंह, छाया देवांगन, नीला कदरिया, अनिता अग्रवाल, गीता जैन, पूजा शर्मा, रीना सोनी, ज्योति अग्निहोत्री आदि सभी ने पीतांबर वस्त्र धारण करके गायत्री मंत्र का उच्चारण किया।

तृतीय लिंग समुदाय को रोजगार देने वाँक-इन-इंटरव्यू 2 जुलाई को

रायपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा तृतीय लिंग समुदाय के लोगों को रोजगार देने के लिए 2 जुलाई को वाँक-इन-इंटरव्यू आयोजित करेगा। यह इंटरव्यू रायपुर स्थित गांधी चौक में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। इस वाँक-इन-इंटरव्यू में अलर्ट एस.जी.एस. प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के कुल 20 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस इंटरव्यू में प्रदेश के सभी जिलों के तृतीय लिंग समुदाय के पात्र अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं।

सीएम हेलपलाइन की मदद से दिव्यांग डिगेश्वर को मिली बैटरी ट्रायसिकल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सीएम हेलपलाइन 1076 में शिकायत एवं समस्या का शीघ्र गति से समाधान किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम खोरा निवासी दिव्यांग डिगेश्वर देवांगन की मांग पर उन्हें 24 घंटे के भीतर समाज कल्याण विभाग की ओर से माना स्थित शासकीय दिव्यांग महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बैटरी चलित ट्रायसिकल दी गई। डिगेश्वर 80 प्रतिशत दिव्यांग हैं, जिसके कारण

जिले में अब तक 1750 किसानों के नाम हटे, इनमें कई मृतक भी शामिल

11 हजार संदिग्ध, इनमें 4800 किसान ऐसे, जिनके खाते संयुक्त, दूसरे सदस्य भी ले रहे थे योजना का लाभ

हरिभूमि न्यूज►►रायपुर

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत किसानों को जारी होने वाली राशि में फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद रायपुर जिले में अब तक 1750 किसानों के नाम हटाए गए हैं। ये वही किसान हैं, जिनके परिवार में उनके साथ दूसरे सदस्य भी इस योजना का लाभ उठा रहे थे। इनमें कई मृतक भी शामिल थे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जिले में 11 हजार संदिध किसानों की सूची मुख्यालय से प्राप्त हुई है, जिनके बारे में विभाग भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। इस सत्यापन के दौरान विभाग 1310 अपात्र किसानों के नाम की सूची पहले ही मुख्यालय भेज चुका है। हालांकि इस सूची में मृतक एवं विभिन्न कारण से अपात्र लाभार्थी किसानों के नाम भी शामिल हैं।

23वीं किस्त में 35 लाख की कटौती

केंद्र सरकार ने हाल ही में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी की है। इस किस्त के तहत विभाग के पोर्टल में पंजीकृत फार्मर आईडी वाले सक्रिय किसानों की संख्या 91 हजार 845 है। इन किसानों के लिए कुल 18 करोड़ 36 लाख रुपए की राशि जारी की गई है। इससे पूर्व 22वीं किस्त के दौरान पंजीकृत सक्रिय किसान सदस्यों की संख्या 92 हजार 578 थी। इस दौरान 22वीं किस्त के रूप में कुल 18 करोड़ 71 लाख रुपए की राशि जारी हुई थी, वहीं इस बार कुल राशि में 35 लाख रुपए कम है। इससे पता चलता है कि इस बार 1750 किसानों के नाम पोर्टल से हटाए गए हैं, जिन्हें 22वीं किस्त जारी की गई थी।

मृत्यु के बाद भी परिवार उठाते रहे योजना का लाभ

संदिग्ध किसानों के अलावा कई किसानों की मृत्यु के बाद भी उनके परिवार वाले इस योजना का लाभ उठाते रहे हैं। जिले में जब से योजना शुरू हुई, तब से लेकर अप्रैल 2026 तक कुल 2239 किसानों की मृत्यु भी हो चुकी है। इनमें कई किसानों की कोविड काल के दौरान भी मृत्यु हुई थी, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद भी योजना की राशि उनके

खातों में जा रही थी, क्योंकि न ही उनके परिजनों ने इसकी जानकारी विभाग को दी थी और न ही विभाग द्वारा इसका भौतिक सत्यापन किया गया। हालांकि अब मृत किसानों के नाम पोर्टल से हटा दिए गए हैं, लेकिन उनके परिवार के अन्य किसान सदस्य फौरी करारकर अब इस योजना से पुनः जुड़ गए हैं।

मुख्यमंत्री साय बोले- आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय

हरिभूमि न्यूज►►रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताया। वीडियो में आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों पर हुए प्रतिबंध, बड़े पैमाने पर हुई गिरफ्तारियों, प्रेस संसरशिप, लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष तथा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के संदेश को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने सत्ता के अहंकार में संविधान की आत्मा को कुचलते हुए पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया था। आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर गंभीर प्रहार हुआ। मौसा जैसे दमनकारी कानूनों के तहत हजारों

लोकतंत्र सेनानियों, पत्रकारों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जेलों में बंद कर उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया गया, लेकिन लोकतंत्र के रक्षकों का साहस और संकल्प अडिग रहा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किया जाना उन सभी लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि है। इससे नई पीढ़ी भारतीय लोकतंत्र के उस काले अध्याय को जान सकेगी और संविधान लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति अधिक जागरूक होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने भी लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान को पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा बंद की गई सम्मान निधि को पुनः प्रारंभ करते हुए बकया राशि का भुगतान किया गया तथा लोकतंत्र सेनानी सम्मान विधेयक-2025 पारित कर उनके सम्मान को कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया।



कांग्रेस सरकार ने बंद की थी सम्मान निधि, हमारी सरकार ने बहाल कर लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान को दी गई गौरव

छात्रों, किसानों, मजदूरों, अनुसूचित जाति, जनजाति, सर्वहारा वर्ग की आवाज राहुल गांधी बने हैं। हमें राहुल की वॉचतो की लड़ाई आगे तक ले जाना है। अनुशासन संगठन की सर्वोपरि है, सभी को अनुशासन के साथ संगठन को मजबूत करना है। लांबा आज प्रशिक्षण में शामिल होंगी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महेत ने भी जिला अध्यक्षों के ट्रेनिंग में व्याख्यान दिया। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा भी प्रशिक्षण में शामिल होने रायपुर आई है वे कल जिला अध्यक्षों को संबोधित करेंगी।

अंजय ने मोदी सरकार की 12 साल की उपलब्धियों का साहित्य किया भेंट

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल बेमिसाल के उपलक्ष्य में विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पापुल बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने राज्य के प्रमुख प्रबुद्धजनों से संपर्क यात्रा के



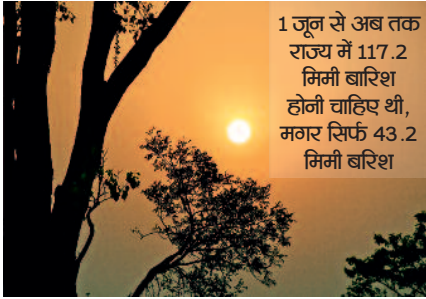
दौरान उनके निवास जाकर मुलाकात कर आत्मीय सम्मान के साथ 12 साल बेमिसाल की उपलब्धियों का साहित्य भेंट किया। जिसमें पूर्व प्रमुख सचिव डॉ. सुशील त्रिवेदी (आईएफएस), श्रद्धांगी हर्षार पोठाधीश्वर संत युधिष्ठिर महाराज, रावतगुप्त सरमान कर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष जितेंद्र उपाध्याय (आईएफएस), पूर्व राज्य सूचना आयुक्त अशोक अगवाल (आईएफएस), डॉ. दिनेश मिश्रा अंजय रोंग विशेषज्ञ, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन छा के अध्यक्ष डॉ. कुमारीपु सोलंकी, मां महाकाली मंदिर ट्रस्ट आकाशवाणी चौक के सचिव प्रो. डीके दुबे, रामकृष्ण केसर हॉस्पिटल के हृद्री रोग विशेषज्ञ एवं एचओडी डॉ. मदरिया, किश्तार पैथोलॉजिस्ट डॉ. विनोद तिवारी, डॉ. चंदिका साहू रेडियोलॉजिस्ट साहू डायग्नोस्टिक, वरिष्ठ पत्रकार शिव दुबे, राजेश जोशी, डॉ. सुनील खेमका आर्थोपेडिक नारायण हॉस्पिटल, अधिवक्ता सुशंशु शेखर शुक्ला, प्रेक्ष वल्लभ अध्यक्ष मोहन तिवारी, गौड़ बाहमण महिला समाज की अध्यक्ष प्रतिभा ओमपत्तकण पुजारी, मार्बल मार्केट के अध्यक्ष व प्रसिद्ध व्यवसायी किशनवद जैन, कमल सारडा प्रसिद्ध उद्योगपति को प्रधानमंत्री के 12 साल की उपलब्धियों का साहित्य भेंट किया।

छत्तीसगढ़ में मानसून की धीमी रफ्तार, आधे से ज्यादा जिलों में किसानों पर छाए चिंता के बादल

हरिभूमि न्यूज►►रायपुर

छत्तीसगढ़ में मानसून की धीमी रफ्तार ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जून के अंतिम सप्ताह तक कई क्षेत्रों में अपेक्षित बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों की बुआई प्रभावित हो रही है। मौसम विशेषज्ञों ने पहले ही मानसून की गति सामान्य से धीमी रहने और कुछ क्षेत्रों में कम वर्षा की संभावना जताई थी, जिसके चलते कृषि गतिविधियों पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। छत्तीसगढ़ में मानसून करीब 7 दिन देर से प्रदेश में पहुंचा है और इसका असर भी काफी धीमा है। राज्य में बारिश का कोटा अब तक 73 फीसदी कम है।

आंकड़ों की बात करें, तो 1 जून से अब तक राज्य में 117.2 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, मगर सिर्फ 43.2 मिमी पानी ही बरस पाया है। प्रदेश के अनेक जिलों में किसान धान समेत खरीफ फसलों की बुआई के लिए पर्याप्त वर्षा का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून प्रदेश में प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसकी सक्रियता अपेक्षाकृत कमजोर बनी हुई है। हालांकि आगामी दिनों में कुछ जिलों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। संभावित कम वर्षा और अल नीनो जैसे मौसमीय प्रभावों को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क है। यदि आने वाले दिनों में मानसून सक्रिय नहीं हुआ तो खरीफ सीजन की बुआई, जलराशियों के जलस्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में किसानों की नजर अब आगामी बारिश पर टिकी हुई है।



1 जून से अब तक राज्य में 117.2 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, मगर सिर्फ 43.2 मिमी बारिश

इन जिलों में सूखे के हालात

बस्तर जिले में 142.7 मिमी के मुकाबले 74.8 मिमी बारिश हुई है, जो 48 प्रतिशत कम है। दत्तेवाड़ा जिले में 107.7 मिमी के मुकाबले 49.9 मिमी बारिश हुई है, जो 54 प्रतिशत कम है। सुकमा जिले में 60.3 मिमी के मुकाबले 54 प्रतिशत कम बारिश दर्ज हुई है। रायपुर, दुर्ग और महासमुंद जैसे इलाकों में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। राजधानी रायपुर में 90.1 मिमी के मुकाबले सिर्फ 25.3 मिमी बारिश हुई है, जो कि 72 प्रतिशत कम है। वहीं राजनांदगांव में तो हालात और भी बुरे हैं, वहां 92 प्रतिशत तक बारिश की कमी देखी जा रही है। मोहना-मानपुर-चौकी में तो आंकड़ा 95 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। बिलासपुर में 87.6 मिमी के मुकाबले 9.9 मिमी बारिश हुई है, जो 89 प्रतिशत कम है। बालोव में 101.9 मिमी के मुकाबले 19.8 मिमी बारिश हुई है, जो 81 प्रतिशत कम है। बलौदाबाजार जिले में 81.3 मिमी के मुकाबले 15.3 मिमी बारिश हुई है, जो 81 प्रतिशत कम है। इसी प्रकार गौरेला-पेड़ा में 79, जांजगीर-चांपा में 78 और बेमेतरा में 78 फीसदी कम बारिश हुई है।

कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण का 6वां दिन, पार्टी की रीति-नीति और संगठन की मजबूती पर चर्चा

राष्ट्रीय महासचिव संगठन वेणुगोपाल, प्रभारी पायलट प्रशिक्षण शिविर में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज►►रायपुर

कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के 6वें दिन कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने जिला अध्यक्षों को पार्टी की रीति-नीति और संगठन की मजबूती के गुर सिखाए। उन्होंने कहा, संगठन सृजन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने निचले स्तर के मजबूत लोगों को जिला अध्यक्ष के रूप में अवसर दिया है। आपको मिले अवसर का उपयोग संगठन की मजबूती के लिए करना है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देश के लोकतंत्र की लड़ाई लड़ रहे।

छात्रों, किसानों, मजदूरों, अनुसूचित जाति, जनजाति, सर्वहारा वर्ग की आवाज राहुल गांधी बने हैं। हमें राहुल की वॉचतो की लड़ाई आगे तक ले जाना है। अनुशासन संगठन की सर्वोपरि है, सभी को अनुशासन के साथ संगठन को मजबूत करना है। लांबा आज प्रशिक्षण में शामिल होंगी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महेत ने भी जिला अध्यक्षों के ट्रेनिंग में व्याख्यान दिया। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा भी प्रशिक्षण में शामिल होने रायपुर आई है वे कल जिला अध्यक्षों को संबोधित करेंगी।



वेणुगोपाल ने कहा- देश में अघोषित आपातकाल, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा की कथनी और करनी में अंतर

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, आज देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति पैदा कर दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। वेणुगोपाल कांग्रेस जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने गुरुवार को राजधानी रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से चर्चा में उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी के जमीनी ढांचे को मजबूत करने के लिए देशभर में 'संगठन सृजन अभियान' चलाया जा रहा है। अब तक 9 राज्यों में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया जा चुका है और जल्द ही इसे शेष राज्यों में भी लागू किया जाएगा। इतिहास बदलने में जुटी सरकार, नीट परीक्षा में फेल भाजपा की नीतियों की आलोचना करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा, भाजपा केवल विमानजनकारी राजनीति में रुचि रखती है और देश के इतिहास को बदलने का प्रयास कर रही है।

पायलट बोले- बीजेपी अपनी अंदरूनी खींचतान पर ध्यान दे, कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर की चिंता छोड़े

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, भाजपा को कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर की चिंता छोड़ कर अपनी सरकार और संगठन की अंदरूनी खींचतान पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस 135 साल पुरानी पार्टी है। नए जिलाध्यक्षों और कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक रूप से मजबूत बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सचिन पायलट ने कहा, राहुल गांधी की सोच के अनुरूप कांग्रेस बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के अभियान में जुटी है। 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम देश के कई राज्यों में सफलतापूर्वक आयोजित किए जा रहे हैं।

लांबा ने कहा- भाजपा के डीएनए में हिंसा और नफरत

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस महात्मा गांधी के विचारों वाली पार्टी है, जो सत्य और अहिंसा में विश्वास करती है, जबकि भाजपा की राजनीति नफरत और हिंसा पर आधारित है। अलका लांबा गुरुवार शाम रायपुर पहुंचीं, इस दौरान उन्होंने राजीव भवन में संवाददाताओं से महिला आरक्षण के मुद्दे पर कहा, स्थानीय निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिलने के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं पंच, सरपंच और जनप्रतिनिधि बनकर अपने क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। उन्होंने कहा, अब विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

ख़बर संक्षेप

आवास मेला के लकी ड़ों विजेताओं के लिए उपहार वितरण समारोह आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा राज्य स्तरीय आवास मेला-2025 के अंतर्गत लकी ड़ों में चयनित हितग्राहियों को उपहार वितरण समारोह आज नवा रायपुर अटलनगर स्थित न्यू सॉक्रेट हाउस परिसर में दोपहर 1.30 बजे से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर मंडल के नवीन लोगो का भी विमोचन किया जाएगा। उपहार वितरण समारोह में लकी ड़ों के चयनित विजेताओं को सम्मानपूर्वक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही मंडल द्वारा आयोजित नवीन लोगो डिजाइन प्रतियोगिता के विजेता रचनाकार को 2.50 लाख रुपए की पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाएगी।

डीएलएड व पोस्ट बेसिक नर्सिंग

पाठ्यक्रम के परिणाम जारी
रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा डीएलएड तथा पोस्ट बेसिक नर्सिंग पाठ्यक्रम के अंतिम उत्तर व परीक्षा परिणाम जारी कर दिए गए हैं। पोस्ट बेसिक नर्सिंग प्रवेश परीक्षा का आयोजन 21 मई को किया गया था। वहीं डीएलएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन 4 जून को हुआ था। छात्रों के प्राप्तांकों के आधार पर उन्हें महाविद्यालयों में दाखिले जाएंगे। इसके अतिरिक्त बीएड प्रवेश परीक्षा के भी मॉडल आंसर जारी कर दिए गए हैं। यह परीक्षा 11 जून को आयोजित की गई थी। मॉडल आंसर पर दावा-आपति 30 जून तक मांगे गए हैं।

निधन

ताराचंद निर्मलकर

रायपुर। सेक्टर-1 भिलाई निवासी ताराचंद निर्मलकर (54) का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 26 जून को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से रामनगर



मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे जीआर निर्मलकर के पुत्र और मानिक निर्मलकर, हीरालाल निर्मलकर, कृष्ण कुमार निर्मलकर, रक्मणी निर्मलकर, द्रौपदी निर्मलकर के भाई एवं मोनिका निर्मलकर के पति तथा वैभव, वंशिका के पिता थे। उनके निधन पर छत्तीसगढ़ प्रदेश धोबी समाज के अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

न्यायालय तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)
// ईशतहार 11
 क्रमांक / Q / सी-121 / 2025-2026 रायपुर, दिनांक 15/06/2026
 ग्राम - रायपुरखास तहसील रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)
 एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक/आवेदक देवचरण साहू पिता- स्व. श्री चैतराम साहू द्वारा इस न्यायालय मूल्य प्रमाण पत्र वाकत आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख साहू है, आवेदक के पिता-स्व.श्री चैतराम साहू, पिता- स्व. श्री बृजलाल साहू की मृत्यु दिनांक ०7.06.2000 को घर/ हॉस्पिटल न्यू जेन्टन रायपुर घर पर हो चुकी है। उनके मृत्यु उपरांत आवेदन द्वारा निवेदन किया गया है।
 अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत मूल्य प्रमाण-पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दवा/आपति प्रस्तुत करना हो वे नियत अनुवाह्य दिनांक 3०/06/2026 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दवा/आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। निगत समयावधि के बाद प्राप्त दवा/आपति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।
 आज दिनांक 15/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।
 मुहर तहसीलदार रायपुर(छ.ग.)

// आम सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार ने विक्रेता दानेश्वर प्रसाद शर्मा पिता स्व. घनश्याम प्रसाद शर्मा निवासी लक्ष्मीनारायण मंदिर महादेव घाट वसपुरा, तह. व जिला रायपुर छ.ग. के हित, हक व आधिपत्य की परिवर्तित भूमि जो वाके मौजा रायपुर, प.ह.नं. 00057, रा.न.मं. रायपुर, तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 580/15 (अश्वरी चौक सी असी बरपन्द्र) क्षेत्रफल 25x40= 1000 वर्गफुट भूमि जो माधव राव सरें बाद वार्ड क्रमांक 68, में स्थित को क्रय करने का सौदा कर लिया है। विक्रय पत्र का पंजीयन एवं निष्पादन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त वाणीत संपत्ति के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय संस्था, सरकार, शासकीय अह-शासकीय व अन्य किसी को किसी भी प्रकार से उजर, दवा, आपति हो तो मय मस्तावेज मेरे कार्यालय में 15 दिनों के भीतर मस्तावेज कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद म्याद की गई दवा आपति शून्य माना जायेगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग. **दिनांक- 25/06/2026** **भवनदीप**
अनुराग शर्मा, तपन साहा, देवेन्द्र सिंह ठाकुर, अशोक पांडेय, निलय शर्मा, श्रुभम सिंह, रोहित धुव (अधिवक्तागण)
40, स्टेट बैंक कॉलोनी, सुंदर नगर, रायपुर 492०13 (छ.ग.) मो.नं: 9826194899

भुवनेश्वर-एलटीटी के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, शालीमार एक्सप्रेस में लगा अतिरिक्त एसी कोच

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

यात्रियों की भारी भीड़ और उन्हें कन्फर्म बर्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने दो महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक ओर जहां गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त थर्ड एसी कोच लगाने का निर्णय लिया है, वहीं दूसरी ओर यात्रियों की अतिरिक्त सहूलियत के लिए भुवनेश्वर और लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई के बीच एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह स्पेशल ट्रेन 27 जून को रायपुर और दुर्ग स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

बिल्डर ने नाला पाटकर किया अवैध कब्जा, अधिकारियों को लगाई फटकार सफाई देखने पहुंचीं महापौर, 50 मीटर के बाद नाला ही नदारद

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राजधानी के आउटर में खाली पड़ी सरकारी जमीन पर बेजा कब्जा सुनकर भले ज्यादा अचरज न हो, पर गंदे पानी की निकासी वाले नाले की जमीन को पाटकर कोई कब्जा कर ले, हेराना तो होगी ही। जी हां ऐसा ही कुछ नजारा महोबा बाजार ब्रिज के पास रेलवे के समीप वाले राजीव नगर नाले वाले हिस्से में देखने को मिला। नाले का 50 मीटर के बाद वाला हिस्सा गायब हो गया है। महापौर मीनल चौबे गुरुवार को जब महोबा बाजार बिज के पास रेलवे पटरी के समीप स्थित राजीवनगर नाले की सफाई का निरीक्षण करने पहुंचीं, तो पाया कि जिस नाले की सफाई देखने आई हैं, उस नाले के एक हिस्से को पाटकर कब्जा कर लिया गया है, जिससे नाले की सफाई नहीं हो पा रही। महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को इसके लिए फटकार लगाई। बाद में उनके निर्देश पर नाले की भूमि का सीमांकन कराया गया, जिसमें पता चला कि महोबाबाजार नाले की जमीन पर बिहड़र ने कब्जा कर लिया है। महापौर ने जोन 7 के अधिकारियों को तत्काल अवैध कब्जा हटाने के निर्देश दिए।

दरअसल, महापौर मीनल चौबे इन दिनों वातिश पूर्व नाले की सफाई व्यवस्था का स्थल पर पहुंचकर खुद जायजा ले रही हैं। गुरुवार को वे जोन 7 कमिश्नरी



क्षेत्र स्थित पंडित ईश्वरीचरण शुक्ल वार्ड के महोबाजार इलाके में नाले सफाई व्यवस्था देखने पहुंचीं। वहां जाने पर नाले के स्थान पर मात्र 50 मीटर के बाद उन्हें नाला गायब मिला। तत्काल स्थल पर महापौर ने राजस्व विभाग को

सीमांकन करने निर्देशित किया, जिसमें बिल्डर द्वारा नाले को पाटकर अवैध कब्जा किया जाना पाया गया। जोन 7 के अधिकारियों को सीमांकन रिपोर्ट अनुसार कार्रवाई करते हुए पाते गए हिस्से को हटाने और गंदे पानी के सुगम निकासी के लिए जेसीबी मशीन लगाकर तत्काल कच्चा नाला खोदने के सख्त निर्देश दिए। महापौर ने नगर निगम के सभी दस जोन कमिश्नरों और नगर निवेशक को रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में कहीं भी नाले की

भूमि पर अवैध कब्जा किए जाने पर तत्काल अवैध कब्जा हटाकर सं बं धि त कब्जाधारी पर नियम अनुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने निर्देश दिए। इसके साथ ही जोन 7 के अधिकारियों को नाले की भूमि पर सीमांकन करवाने की हuidaय दी। महापौर द्वारा किए गए अवैध कब्जे की भूमि और गेट की भूमि का सीमांकन करवाने

की हuidaय दी। महापौर द्वारा किए गए स्थल निरीक्षण के दौरान पंडित ईश्वरीचरण शुक्ल वार्ड पार्श्व मीना ठाकुर, जोन 7 सहायक अभियंता कमलेश मिथिलेश, उप अभियंता प्रेष्णा अग्रवाल, जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू, राजीव नगर के स्थानीय रहवासी। और महोबा बाजार ब्रिज के समीप के रहवासी उपस्थित रहे।

27 जून को रायपुर और दुर्ग स्टेशनों से होकर गुजरेगी



शालीमार में कम हुई वेटिंग

वेटिंग लिस्ट को कम करने के लिए गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त थर्ड एसी कोच की सुविधा अस्थायी रूप से दी जा रही है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह सुविधा गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में 27 जून से 03 जुलाई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इसी प्रकार, वापसी में गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में यह अतिरिक्त कोच 29 जून से 05 जुलाई 2026 तक लगाया जाएगा। इस व्यवस्था से मुंबई की ओर सफर करने वाले अधिक से अधिक यात्रियों को कंफर्म सीट मिल सकेगी।

70 सदस्यीय टीम

गठित कर रात तीन से तड़के सात

बजे तक चलाया

गया अभियान

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट सेल की स्पेशल टीम ने गुरुवार रात तीन बजे से तड़के सात बजे तक सरप्राइज चेक कर पुराने शातिर 30 वाहन चोर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 30 दोपहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस को आशंका है, जब वाहन में से ज्यादातर चोरी के हैं। इसके अलावा क्राइम की टीम ने गंज थाना क्षेत्र के बांस टाल पानी टंकी के पास एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 160 पौवा देशी शराब जब्त की है।

क्राइम की टीम ने यह जांच अभियान पुलिस कमिश्नर डॉ.

वित्तीय नियमों के नाम पर फाइलों को अटकाना जरूरी कार्य रोकना बर्दाशत नहीं : महापौर

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम रायपुर में विकास कार्यों को गति देने और प्रशासनिक

कार्यप्रणाली को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए आडिटरों को बुलाकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निगम में नव-नियुक्त ऑडिटर द्वारा फाइलों के ऑडिट में की जा रही अत्यधिक देर और लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी।

महापौर ने उन्हें कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए हैं।

महामाा गांधी सदन हुई बैठक में महापौर

खाद की कीमत बढ़ने से परेशान किसानों ने किया प्रदर्शन, मांग को लेकर सौपा ज्ञापन

रायपुर। खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले फर्टिलाइजर (एनपीके, पोटाश) की कीमतों में अचानक 400 से लेकर 730 तक प्रति बोरी की भारी बढ़ोतरी और कुछ क्षेत्रों में यूरिया की हो रही कालाबाजारी के कारण किसानों में भारी रोष है। महंगाई के इस दौर में बढ़ी हुई कीमतों के कारण किसानों की खेती की लागत काफी बढ़ गई है। इसका विरोध करते हुए दोदरेकला सेवा सहकारी समिति के प्रभावित किसानों ने प्रदर्शन कर आने वाले समय में किसानों के साथ खाद की समस्या को लेकर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। साथ ही बड़े हुए एनपीके, जो 1950 दे रहे हैं, उसे वापिस लेने एवं डीएपी खाद उपलब्ध करने की मांग है। इस मौके पर किसान नेता और पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा सहित बड़ी संख्या किसानों ने गुरुवार को राज्य सरकार को ज्ञापन देकर बढ़ती कीमत वापस लेने की मांग की है।

इसी दौरान ज्ञापन देने, दोदरेकला, दोंदेखुर्द, मटिया, तरां, जरोदा, लालपुर के किसानों ने चेतावनी दी है कि बढ़ी हुई कीमत वापिस ली जाए और डीएपी खाद उपलब्ध कराई जाए। इस मौके पर श्री वर्मा ने कहा कि अचानक 400 रुपए प्रति बोरी बढ़ाने से किसानों में भारी आक्रोश है। ज्ञापन देन वालों में घनश्याम वर्मा, उत्तरा भारती पूर्व जनपद अध्यक्ष, रामचंद्र साहू, श्रवण निगढ़, दीपा साहू, लल्लू धवाई, खिलानवन साहू, रामचरण बंजार, पुरुषोत्तम,नरेंद्र, दिलीप कुमार, पप्पू बंजारे, गजू राम, संतू साहू, मनमोहन कुरें सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

बिजनेस साइट

जैन सोशल ग्रुप का योग और जुम्बा कार्यक्रम, प्रतिभागियों ने दिखाया उत्साह

रायपुर। जैन सोशल ग्रुप द्वारा योग एवं जुम्बा का शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में सदस्यों और प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं निर्देशन योगेंद्र भंडारी तथा प्रेरणा भंडारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नियमित व्यायाम के महत्व को प्रोत्साहित करना था। प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के लिए विभिन्न आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। सर्वश्रेष्ठ योग प्रदर्शन का प्रथम



पुरस्कार जयश्री कोठारी को दिया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ जुम्बा प्रतिभागी का पुरस्कार संतोष वैद को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का वातावरण ऊर्जा, उत्साह और स्वास्थ्य जागरूकता से परिपूर्ण रहा तथा सभी उपस्थित सदस्यों ने इसका भरपूर आनंद लिया।

Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee
Teja Singh Samundri Hall, Sri Amritsar.
Tender Notice
S.G.P.C., Sri Amritsar Invites Sealed tenders from approved & eligible firms for Construction of Residence Quarter, Bathroom and Boundary wall at Sri Guru Nanak Dev Gurnat Vidyalaya, Rawla Bahatan, Bhaspur Road, Raipur (Chhattisgarh). Interested firms can download complete specifications, conditions and details from our website i.e. www.sggpc.net
Secretary, Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee, Sri Amritsar.

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN & PANCHAKAMA TREATY FROM LOMRAI, INDIA

Piles Care Clinic
Unit of Dr. Abhimanyu's Pain Relief Center
ISO 9001:2015 Certified Clinic

» घात रोग » पुल्मो के दर्द » पीठ व कमर दर्द » रूमेटिस्मेटिड » लिगामेंट के दर्द » राइटिडिज » ओफोफ एसी » प्रोक्टास रॉइड » सटीर मे जकडन

डॉ.एन. एन. रायचौधरी की मुक्ति

१ सिली लेटर - कृष्णा टीकीज के सामने, राजमा कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) ९ 9826446666
१ सेक्टर -7 कमल विलर, रायपुर (छ.ग.) ९ 95224-68664, 62622-22003

न्यू मातु स्मृति हॉस्पिटल

मेटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल

उत्कृष्ट सुविधाएं

- कमर्शली महिलाओं की सुविधाएं व परामर्श
- नार्नल वल जीओरेजन डिलीवरी
- एवं हवेल्टानी का ऑपरेशन व नलबडी
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT

» बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हार्निवा, सर्जडोलील, सरकन सीजन की सुविधा
» आयुज्जानी का ऑपरेशन व नलबडी
» TPA की सुविधा

9009553889, 9090204620
 एकल वलन, अलवेकल पीठ के लल, गुलिवाली रायपुर ललव : नलतु स्मृति नलल वलन, नलवडी नलरि के ललनल, सुलिवाली, रायपुर

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनसीटीलर, एनसी) शिरा एवं वलवत रोग विलेख

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनसीटीलर, जी.ओ.सी.) लल एवं वलवत रोग विलेख

9009553889, 9090204620
 एकल वलन, अलवेकल पीठ के लल, गुलिवाली रायपुर ललव : नलतु स्मृति नलल वलन, नलवडी नलरि के ललनल, सुलिवाली, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

न्यायालय तहसीलदार बेलरा, जिला-बेतौरा (छ.ग.)
// ईशतहार 11
 क्रमांक/478/ब.तह.2/2026 बेलरा, दिनांक 24/06/2026
 एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक निवेकानंद निपाटी पिता स्व. दुर्गा शंकर निपाटी निवासी दीनदयाल उपग्राम्य नगर डंगनिया तहसील व जिला रायपुर द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि ग्राम बरौलीसकला, प.ह.नं. 22, रा.न.मं. आनंदनगर तहसील बेलरा जिला बेतौरा (छ.ग.) स्थित खसरानं नंबर क्रमशः 576 रकबा 0.940 हेक्टेयर, खसरानं नंबर 637 रकबा 0.300 है। खसरानं नंबर 925 रकबा 0.210 हेक्टेयर एवं खसरानं नंबर 984 रकबा 0.090 हेक्टेयर है भूमि राज्यस्व अधिकारियों में दस्त है। आवेदक की माता श्रीमती सरस्वती निपाटी पति स्व. दुर्गाशंकर निपाटी द्वारा उत्तर वर्णित कृषि भूमि के संबंध में एक वसीयतनामा आवेदक के पक्ष में निष्पादित किया गया है। आवेदक की माता श्रीमती सरस्वती निपाटी पति स्व. दुर्गाशंकर निपाटी की मृत्यु दिनांक 22/05/2026 को हो गई है। आवेदक की माता श्रीमती सरस्वती निपाटी के मृत्यु उपरांत उसके द्वारा निष्पादित वसीयतनाम के आधार पर आवेदक उपरोक्त खसरों के भूमि पर अपना नाम राज्यस्व अधिकारियों में दर्ज किया जाने हेतु आवेदन पेश किया है। तत्संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपति पेश करना हो तो वह स्वयं या अधिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर यथी दिनांक 08/07/2026 के पूर्व पेश कर सकते हैं।
 आज दिनांक 24/06/2026 को मेरे स्वतः के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पर मुद्रा सहित जारी किया गया है।
 मुहर तहसीलदार बेलरा, जिला-बेतौरा (छ.ग.)

 // आम सूचना //
 सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 9063 दिनांक 18.08.2011 के द्वारा गावपा, अभनपुर में दीनदयाल आवास एल.आई.जी. भवन क्रमांक-253 को कु. कल्याणी विजय लक्ष्मी बंजारे पिता श्री टी.एल. बंजारे के नाम पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय रायपुर से दिनांक 17.10.2013 को विक्रय बिलेड (सेलडोट/ड/एपीमेंट) का निष्पादन करा लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर भवन का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में कु. कल्याणी विजय लक्ष्मी बंजारे पिता श्री टी.एल. बंजारे, निवासी कृष्णा नगर, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उत्तर भवन को क्रेता श्रीमती ज्योति सोनबानी पति श्री अमन सोनबानी, निवासी हंडौरा कॉलोनी, मंदिरसहीर, जिला रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनारपित प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
 अतः मातापार, अभनपुर में दीनदयाल आवास एल.आई.जी. भवन क्रमांक-253 के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अंशशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था को कोई आपति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपति पर विचार नहीं किया जावेगा।
 सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना, विकास मंडल प्रक्षेत्र- नवा रायपुर अटल नगर

 // आम सूचना //
 सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3750 दिनांक 19.07.2013 के द्वारा अटल आवास योजना बेलपदा में आवंटित स्वतंत्र भवन क्रमांक 447 को श्रीमति अर्चना गुप्ता पति श्री चेतन गुप्ता के नाम स्ववित्तिय आधार पर आबंटित किया गया है। आवंटि द्वारा उत्तर भवन के मर में पूर्ण राशि भुगतान कर पंजीयन कार्यालय से दिनांक 02.05.2014 को रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है तथा इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3023 दिनांक 19.08.2014 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है।
 वर्तमान में श्रीमति अर्चना गुप्ता पति श्री चेतन गुप्ता निवासी- सिंधी भवशाला के पास दुर्गा मंदिर के सामने रायपुर द्वारा उत्तर भवन को क्रेता श्रीमति शोला सेन निवासी- एरना विद्यालय के पास कांथा मौवा रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनारपित प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
 अतः अटल आवास योजना बेलपदा में आबंटित स्वतंत्र भवन क्रमांक 447 के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अंशशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपति पर विचार नहीं किया जावेगा।
 सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना, विकास मंडल प्रक्षेत्र- नवा रायपुर अटल नगर

सिटी इवेंट

एसएससी सीजीएल में रजिस्ट्रेशन करने की आवेदन की अंतिम तिथि आज



रायपुर। सीजीएल परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक अहम खबर है। दरअसल एसएससी सीजीएल की परीक्षा में आवेदन करने की आज अंतिम तिथि है। जो उम्मीदवार सीजीएल की परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं, वे एसएससी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर जल्द से जल्द आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। फीस जमा करने की लास्ट डेट 26 जून निर्धारित है। उम्मीदवार 1 जुलाई से लेकर 3 जुलाई के बीच अपने फॉर्म में सुधार कर सकते हैं। इसके साथ ही टियर-1 परीक्षा का आयोजन अगस्त या सितंबर और टियर-2 परीक्षा का आयोजन दिसंबर माह में किया जाएगा। इस भर्ती परीक्षा के जरिए कुल 12,256 उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। सीजीएल भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए।

ऐसे करें घर बैठे अप्लाई

आवेदन करने की लास्ट डेट को एक्सटेंड कर दिया गया है। उम्मीदवार यहां बताए गए निर्गन्निखित स्टेप्स की मदद से अपना फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन करने के लिए सबसे पहले सीबीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर विजिट करें। अब वेबसाइट के होमपेज पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें। रजिस्ट्रेशन करने से पहले यदि आपने ओटीआर नहीं किया है तो पहले ओटीआर प्रक्रिया को पूरा करें। इसके बाद मांगी गई सभी डिटेल को दर्ज करें। सभी डिटेल को ध्यान से दर्ज करने के बाद जरूरी दस्तावेजों की स्कैन कॉपी को अपलोड करें। अब रजिस्ट्रेशन फीस का भुगतान करें। अंत में फॉर्म भरने के बाद इसका एक प्रिंटआउट भी अवश्य निकाल लें।

आयु 27 व 30 वर्ष निर्धारित : उम्मीदवारों की पढ़ानुसार न्यूनतम आयु 18 और 20 वर्ष व अधिकतम आयु पढ़ानुसार 27 व 30 वर्ष निर्धारित की गई है। हालांकि बोर्ड की ओर से आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को छूट भी दी जाएगी। एससी एवं एसटी उम्मीदवारों को 5 वर्ष की छूट, ओबीसी उम्मीदवारों को 3 वर्ष की छूट और दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों को 10 वर्ष की छूट दी जाएगी।

लाइव इवेंट

हरियाली के प्रति लोगों को जागरूक करने अभिनव पहल



रायपुर। बागवानी के शौकीनों और पर्यावरण प्रेमियों के लिए अनोखा आयोजन होने जा रहा है। प्रकृति की ओर सोसायटी की तरफ से आगामी 27 जून को शाम 4:00 बजे से 5:00 बजे तक शहर के ऐतिहासिक गांधी उद्यान स्थित बापू की कुटिया में प्लांट एंड कटिंग स्वेप, पौधों की कलम की अदला-बदली कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का मुख्य उद्देश्य शहर में हरियाली के प्रति लोगों को जागरूक करना और सस्टेनेबल गार्डनिंग को बढ़ावा देना है। इस खास कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिक अपने घरों से पौधों की स्वस्थ कटिंग (कलम), बीज या जैविक खाद लेकर आ सकते हैं और इसके बदले में दूसरे बागवानों से अपनी पसंद के नए पौधों की कलम आपस में बदल सकते हैं। इस आयोजन को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) रखा गया है। पर्यावरण संरक्षण का सीधा संदेश देने के लिए सभी प्रतिभागियों से यह विशेष आग्रह किया गया है कि वे अपनी कटिंग या बीज को अखबार, जूट के थैले या बायोडिग्रेडेबल कप में ही लेकर आएँ।

गांधी उद्यान में प्लांट एंड कटिंग स्वेप का 27 जून से आयोजन

निशुल्क गोद ले सकते हैं पौधा

आयोजकों ने उन लोगों का भी खास ख्याल रखा है जो बागवानी की दुनिया में अभी नए हैं। ऐसे लोग जिनके पास दूसरों को देने के लिए कोई कटिंग या बीज नहीं है, उनके लिए आयोजन स्थल पर एक विशेष 'एडॉप्ट ए प्लांट' कॉर्नर बनाया गया है। इस कॉर्नर से नए प्रकृति प्रेमी बिना कुछ दिए भी अपनी पसंद का पौधा बिल्कुल निशुल्क गोद ले सकते हैं और घर ले जाकर अपनी बागवानी यात्रा की शानदार शुरुआत कर सकते हैं। प्रकृति की ओर सोसायटी' के अध्यक्ष मोहन वर्ल्वाणी ने रायपुर के समस्त नागरिकों और प्रकृति प्रेमियों से इस हरित पहल का हिस्सा बनने की अपील की है। यह कार्यक्रम पूरी तरह से निशुल्क और जनहित में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन के संबंध में किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए संस्था की सदस्या मनीषा त्रिवेदी (9425509229), शिल्पी नागपुरे (8839120445) या सुधा केसरवानी (9424223553) से सीधे संपर्क किया जा सकता है।

एक्सपर्ट्स बोले- डरें नहीं, दूरी बनाएं, काटे तो एक घंटे के भीतर पहुंचें अस्पताल

बारिश में घरों में घुस रहे सांपों से बचाने तैयारी पूरी एक फोटो भेजते ही 20 मिनट में पहुंचेगी रेस्क्यू टीम

घर में सांप दिखे तो क्या करें?

डॉ. मंजीत कौर कहती हैं कि सांप से डरने की जरूरत नहीं है, वह खुद भी इंसान से बचने का प्रयास करता है, लेकिन उससे कम से कम 6 से 10 फीट की सुरक्षित दूरी जरूर बनाए रखें। कोबरा जैसे सांप खतरा महसूस होने पर दूर से भी हमला कर सकते हैं। रास्ता न रोके व भीड़ न लगाएं, सांप हमेशा छिपने या भागने का रास्ता खोजता है। उसे घेरने या डंडे से छेड़ने की गलती न करें। शोर और भीड़ देखकर सांप घबरा जाते हैं और आक्रामक हो सकते हैं। घर के बच्चों और पालतू जानवरों को तुरंत वहां से हटा लें।

कंस्ट्रक्शन के कारण गर्मियों में भी निकले सांप

रायपुर वॉलंटियर ग्रुप के स्नेक रेस्क्यू एक्सपर्ट डॉ. मंजीत कौर बल बताती हैं कि शहर में तेजी से हो रहे कंस्ट्रक्शन कार्यों के कारण इस बार गर्मियों में भी सांप अधिक निकले हैं। आमतौर पर गर्मियों में सांप घरों के बाहर ही रहते हैं, लेकिन बारिश शुरू होते ही वे घरों के अंदर घुसने लगते हैं। इसे देखते हुए नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी और 'रायपुर वॉलंटियर ग्रुप' सहित शहर की तमाम स्नेक रेस्क्यू टीमों ने अपना नेटवर्क एक्टिव कर दिया है। मंजीत ने बताया कि उनकी संस्था में एक दर्जन से अधिक वॉलंटियर काम कर रहे हैं। ये सभी पेशे से नौकरीपेशा होने के बावजूद 24 घंटे ऑनर्ल मोड पर रहकर सेवाएं दे रहे हैं।

रायपुर में कोबरा और करैत का अधिक खतरा

विशेषज्ञों के अनुसार, हमारे आसपास पाए जाने वाले 70 से 80 प्रतिशत सांप बिना जहर वाले होते हैं, जैसे धामन, पनियल आदि, लेकिन रायपुर शहर और आसपास के इलाकों में 'कोबरा' (नाग) और 'करैत' सबसे ज्यादा पाए जाते हैं। करैत रात के समय ज्यादा निकलता है और इसके काटने का अक्सर पता भी नहीं चलता। इसलिए हर सांप को जहरीला मानकर ही सावधानी बरतें।

सांप काटने के बाद शुरुआती 4 घंटे बेहद अहम

एक घंटे के भीतर पहुंचें अस्पताल: डॉ. मंजीत कौर के मुताबिक, अगर सांप काट ले तो बिना समय बर्बाद किए एक घंटे के भीतर मरीज को बड़े सरकारी अस्पताल (मेकाहरा या एम्स) ले जाएं। मरीज के सहने की क्षमता जितनी अच्छी होगी, रिकवरी उतनी तेज होगी। 4 घंटे का 'गोल्डन ऑवर': सांप काटने के बाद के शुरुआती 4 घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान एंटी-स्नेक वेनम इंजेक्शन मिल जाने से जान बचने की संभावना सबसे अधिक होती है। मरीज को शांत और स्थिर रखें: घबराते से दिल की धड़कन तेज होती है और जहर तेजी से फैलता है। जिस अंग पर काटा है, उसे बिल्कुल न हिलाएं (जैसे हड्डी टूटने पर स्थिर रखते हैं)।

नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी दे रही निशुल्क सेवा

राजधानी रायपुर सहित दुर्गों और कोरबा जैसे आसपास के इलाकों में नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी के संप्रभु भी लगातार सक्रिय हैं। यह संस्था बिना किसी शुल्क के सांपों को सुरक्षित पकड़कर उन्हें वापस उनके प्राकृतिक आवास यानी जंगलों में छोड़ने का काम करती है, ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे। मानसून की लेकर तैयारी पूरी हो चुकी है। सांप घर में दिखे तो 93033-45640 पर कॉल कर मदद ले सकते हैं।

फोटो भेजें, 20 मिनट में पहुंचेगी टीम

डॉ. कौर ने शहरवासियों से अपील की है कि यदि घर में सांप घुसे तो घबराकर उसे मारें नहीं। सुरक्षित दूरी बनाते हुए उसकी फोटो खींचकर हेलपलाइन नंबर 98268-01058 पर भेजें। फोटो देखकर टीम यह तय कर पाएगी कि सांप जहरीला है या नहीं। सटीक जानकारी और लोकेशन मिलते ही रेस्क्यू टीम महज 20 मिनट के भीतर शहर के किसी भी कोने में पहुंच जाएगी।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों को बांटे किताबें और गणवेश, मेधावियों का सम्मान

रायपुर। त्रिमुर्ति नगर स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। गुरुआत कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के नव विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना से की गई। इसके पश्चात बच्चों ने मधुर स्वर में स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। विद्यालय परिसर में बच्चों की मुस्कान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और शिक्षा के उत्सव से सराबोर हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा शामिल हुए। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें, गणवेश वितरित किए। वहीं

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में मनाया शाला प्रवेशोत्सव



शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को अंकसूची एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे गर्व और खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर नगर निगम समपति सूर्यकांत राठौर, एमआईसी सदस्य महेंद्र खोडियार, फाफाडीह मंडल अध्यक्ष जितेंद्र गंडेवा, वार्ड पार्षद खगपति सोनी, पूर्व पार्षद गोपाल सोनी, संजय जोशी सहित विद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

शिक्षा सभ्य समाज का आधार, शिक्षक के साथ बच्चों को तरासने अभिभावकों की जिम्मेदारी

रायपुर। शासकीय हाईस्कूल लमांडी में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए गए। प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पहली से श्रेया निषाद, कक्षा दूसरी से निवेदिता भारद्वाज, कक्षा तीसरी से दामिनी पटेल, कक्षा चौथी से रोमा तारक, कक्षा पांचवी से कल्पना बंजारे ने प्रथम स्थान अर्जित किया। कक्षा पहली में नय्या टंडन, कक्षा दूसरी में आंचल मुखिया, कक्षा तीसरी में सोनू मुखिया, कक्षा चौथी में मोनिका सुल्तान और कक्षा पांचवी में जिज्ञासा भारती को वर्ष भर में सर्वाधिक उपस्थिति के स्कूल बैग देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मोतीलाल साहू एवं विशिष्ट अतिथि पार्षद रेणु साहू रहे। प्राचार्य समीना खान ने शालेय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कक्षा पहली एवं छठवीं के नवप्रवेशी बच्चों को पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा, बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, सीखना भी आवश्यक है। शिक्षा सभ्य समाज का आधार है। शिक्षा सिर्फ शिक्षकों की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पालकों को भी इस पर विशेष ध्यान देना होगा।



पालक और शिक्षक रहे उपस्थित

शाला प्रवेश उत्सव में बच्चों ने छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों को पाठ्य सामग्री के साथ-साथ निशुल्क गणवेश एवं पौष्टिक भोजन भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में पालकों को बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करने अपील की गई। प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक रघुवीर निषाद, पूर्व माध्यमिक से बी. कुजूर सहित स्कूल के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कॉलेज का नया सत्र प्रारंभ होने का असर सिटी गर्ल्स की फैशन स्टाइल में आ रहा नजर

कॉलेज जाने इम्पोर्टेड हैंड स्लिंग, आई थीम फंकी और शोल्डर स्टाइलिश बैग गर्ल्स को खूब भा रहा

कॉर्नर न्यूज

रायपुर। मौसम बदलने के कॉलेज का नया सत्र प्रारंभ होने का असर सिटी गर्ल्स के फैशन स्टाइल पर दिखने लगा है। कॉलेज, ऑफिस जाने इम्पोर्टेड हैंड स्लिंग बैग, आई थीम फंकी कॉलेज बैग, पार्टी वियर एनवेलप, क्लव एवं शोल्डर बैग से चार चांद लगा रही हैं। गर्ल्स स्टूडेंट्स आउटफिट के साथ स्टाइलिश बैग कैरी कर रही हैं। हैंडबैग हर गर्ल्स की सिर्फ जरूरत ही नहीं, बल्कि यह एक फैशन का प्रमुख हिस्सा है, जिसे वे अपने लुक को आकर्षक बनाने के लिए भी हाथ में लेकर चलती हैं। अब वर्किंग युग्म के अलावा कॉलेज जाने वाली युवतियों को भी अच्छे हैंडबैग्स व पर्स भा रहे हैं। सिटी के अलग-अलग बैग फैशन कलेक्शन शॉप में विविध प्रकार और डिजाइन वाले हैंड बैग्स के कलेक्शन आए हुए हैं, जहां से अपनी कंफर्ट, लुक, इस मैचिंग के हिसाब से सही विकल्प गर्ल्स चुन रही हैं। कॉलेज जाने के लिए खास कॉलेज बैग और इस के साथ बैग्स की अनेक वैरायटीज को स्टाइल वॉल्ट में शामिल कर रही हैं। एक से बढ़कर एक कलर व डिजाइन वाले स्लिंग बैग्स गर्ल्स को खूब भा रहे हैं। शहर के मालवीय रोड स्थित बैग फैशन हाउस के जितने ने बनाया कि बैग हाउस में मानसून सीजन और कॉलेज सत्र को ध्यान में रखते हुए कलर कॉम्बिनेशन के साथ बैग के विविध स्टाइल में राउज के बाहर से बांडेड गर्ल्स बैग मंगाए गए हैं। शोरूम में 900 से लेकर 5 हजार रुपये तक की रेंज में हैंड प्लस बैग, स्लिंग बैग, पॉकेट पर्स, ऑफिस जाने वाटरप्रूफ शोल्डर बैग, इनवेलप, क्लव बैग उपलब्ध हैं। इस तरह सिटी में एक से बढ़कर एक स्टाइल व कंफर्ट स्लिंग बैग कैरी कर रहे हैं।

स्कूली बच्चों को कार्डून प्रिंट व टेडी बैग पसंद



कैरी करने में कंफर्ट शोल्डर और ऑफिस बैग

ऑफिस, घूमने के दौरान या फिर रोजाना कॉलेज जाने के लिए स्टाइलिश ऑफिस बैग गर्ल्स की पहली पसंद बन गए हैं, जो कि आकर्षक डिजाइन और रंगों में उपलब्ध हैं। बैग में दो पॉकेट दिए गए हैं, जिसमें छोटा सामान रखा जा सकता है। वैसे इस बैग में कम स्क्रीन साइज वाला लैपटॉप या टैबलेट भी आसानी से कैरी कर सकते हैं। यह बैग पूरी तरह से वाटरप्रूफ है, यह पानी पड़ने से खराब नहीं होगा। यह पॉलिस्टर से बना हुआ बैग है, जो सामान रखने की जरूरत को पूरा करने के साथ स्टाइलिश लुक भी देता है।

इन बैग की डिमांड सबसे अधिक

सेवेल बैग, स्लिंग, पार्टी वियर इनवेलप बैग, क्लव बैग, हैंड प्लस, इम्पोर्टेड कोरियन स्लिंग बैग खास हैं, जो कि ग्रीन, मिंट, वो और पिंक जैसे आकर्षक फंकी रंगों में पसंद किए जा रहे हैं। यह शानदार टेक्स्चर वाला बैग है, जो कि डिजाइन के मामले में भी अच्छा है। बैग विक्रेताओं का कहना है कि यह बढ़िया फॉक्स लेबल से बना है, जो कि लंबे समय तक खराब नहीं होगा। लैंडिंग के लिए स्टाइलिश इस पर्स को आप केजुअल से लेकर दोस्तों के साथ घूमने जाने के लिए उपयोग कर पाएंगे। इस प्रकार फैशन के साथ-साथ सस्टेनेबल के हिसाब से भी यह सारे बैग उपयोगी साबित हो रहे हैं।

समाज लाइव

मां कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट ने लगाया निशुल्क शिविर



रायपुर। चंगोरामठा स्थित सियान सदन में मां कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न अस्पतालों के अनुभवी चिकित्सकों ने लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें परामर्श दिए। इस सेवा कार्य का बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने लाभ लिया। शिविर में एएसजीआई हॉस्पिटल, वाधवा हॉस्पिटल और नेचर वयोर हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवा दी। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ लोगों को बीमारियों की रोकथाम एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी जानकारी दी गई। सियान सदन के वरिष्ठ सदस्य नारायण सिंह रायदु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं चंगोरामठा की पार्षद दुर्गा यादव ने भी आयोजन को सराहना। ट्रस्ट की ओर से मुख्य अतिथि, पार्षद एवं चिकित्सकों का टीम ने मोमेंटो और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया।

आयोजकों और चिकित्सकों ने किया सफल प्रयास

ट्रस्ट के संगठन प्रमारी डॉ. नीता गुरु गोस्वामी, जिला अध्यक्ष कल्पना शुक्ला, प्रमारी मावना शर्मा, नैदी बाई सिन्हा, रानी साहू, रेणु गुप्ता, नमिता पात्रा, संस्था निवारी, मनोरमा बाजपेई, लक्ष्मी अवस्थी, सरोज शुक्ला, रजनी सोनी, मधु शर्मा और डॉ. अंकुर गुरुगोस्वामी शामिल हुए। इस सेवा अभियान में जनऔषधि से जुड़े राजेश शर्मा का भी योगदान रहा। आयोजन का सफल संचालन ट्रस्ट के अध्यक्ष गुरुदेव संकर्षण शरण ने सभी आयोजकों, चिकित्सकों और सहयोगियों को शुक्रकामनाएं देते हुए इस प्रकार के जनसेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया।

सिटी लाइव

वन बंधु परिषद महिला समिति की बैठक संगठन को सशक्त बनाने लिया संकल्प



रायपुर। वन बंधु परिषद महिला समिति की बैठक मंगलवार को देवेन्द्र नगर स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रमारी कविता राठी ने बताया कि बैठक में प्रमुख रूप से वेस्ट जोन की चेयरपर्सन माधवी झंवर झदौर उपस्थित रही। महिला समिति प्रमारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता खंडेलवाल ने बताया कि माधवी झंवर ने अपने उद्बोधन में एकल अभियान की शक्ति, उसके व्यापक प्रभाव एवं समाज परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान श्रीमती झंवर ने अपने जीवन के कुछ प्रेरणादायी अनुभव एवं संघर्षपूर्ण प्रसंग भी साझा किए। उनकी आत्मकथा से जुड़े संस्मरणों को सुनकर सभी पदाधिकारी अत्यंत प्रभावित हुईं तथा सेवा और संगठन के कार्यों के प्रति नई ऊर्जा एवं प्रेरणा प्राप्त की।

संगठन को सशक्त बनाने के लिए लिया संकल्प

प्रदेश अध्यक्ष कांता सिंघानिया एवं सचिव सरिता रेखानी ने महिला समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत कर भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की। बैठक के अंत में श्रीमती माधवी के नेतृत्व में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने संगठन को सशक्त बनाने के लिए संकल्प लिया। बैठक में मनीषा सिंघानिया, मीना अग्रवाल, ऋतु खंडेलवाल, देवी अग्रवाल, फूल नथानी, सविता गुप्ता उपस्थित रही।

आराधना

महिलाओं ने सामूहिक रूप से किया एकादशी का उद्यापन



रायपुर। अग्रवाल महिला मंडल ने अगस्त में गुरुवार को ज्येष्ठ मास के एकादशी व्रत का सामूहिक उद्यापन करने के लिए भव्य समारोह किया। इसमें उपसक महिलाओं ने विधि-विधान से निर्जला एकादशी उद्यापन को उत्सव का रूप देने के लिए बहुत धूमधाम से आयोजन किया। इस शुभ अवसर पर महिलाओं ने विधिवत सामूहिक पूजा करते हुए भगवान विष्णु से आशीर्वाद मांगा। इसमें महिलाओं ने आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए निर्जला उपवास रखकर कथा सुनी। पूजा के बाद दान, हवन और बाह्य भोज का भी आयोजन किया गया। इसे सफल बनाने के लिए महिलाओं ने सामूहिक सहभागिता निभाते हुए सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक व्रत नियम का पालन करते हुए परंपराओं का भी निर्वहन किया।

उपासक महिलाओं के परिजनों ने निमाई सहभागिता

अग्रवाल महिला मंडल की सभी सदस्यों ने मिलकर मक्तिमय माहौल में उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके लिए पहले से ही व्यवस्थागत तैयारी की गई थी। इसमें शामिल होने के लिए अपने घर से सभी सामग्री लेकर पहुंचीं। पूजा की शाली सजाने के बाद सभी ने सामूहिक रूप से एकादशी व्रत का उद्यापन करते हुए व्रत नियम का विधिवत पालन किया। धर्म पालन, भक्ति के साथ मंगलकामना करते हुए सपरिवार उद्यापन समारोह में शामिल होने से आयोजन स्थल पर उत्सव का माहौल बना। इसे भव्य स्वरूप देने में उपवास करने वाली महिलाओं के परिजनों ने भी सहभागिता निमाई।

● शहर के प्रमुख आस्था केंद्रों में उत्सव की रूपरेखा तय, 29 जून से शुरू होगी तैयारी, रथों की साज-सज्जा भी

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को भगवान जगन्नाथ 108 घड़े सुगंधित द्रव्य से करेंगे शाही स्नान, शुरू होगा उत्सव

श्री जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर इस साल भी भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा की आस्था के पर्व को उत्सव का रूप देने की तैयारी शुरू होने वाली है। इससे पहले शहर के प्रमुख जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन से जुड़े जिम्मेदारों और पुजारियों ने उत्सव की रूपरेखा तय की है। इस तारतम्य में पंचांग के तहत ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि यानी सोमवार को भगवान 108 घड़े सुगंधित द्रव्यों से शाही स्नान करेंगे। इसके साथ उत्सव के लिए साज-सज्जा से रथों एवं मंदिरों को खास लुक देने का सिलसिला शुरू होगा।



रायपुर। शहर के प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिरों में उत्सव को महोत्सव का रूप देने का सिलसिला चार दिन बाद शुरू होने वाला है। इसके लिए पुरानी बस्ती दूरीहटरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में भी आयोजन का कार्यक्रम तय किया गया है। इस क्रम में 29 जून को मंदिर में भगवान की आस्था से जुड़े श्रद्धालुओं व पुजारियों के प्रयास से महोत्सव को भव्य स्वरूप देने की तैयारी शुरू होगी।

इस साल कैसे तो भगवान के नंदीघोष रथ में बड़ा बदलाव नहीं किया जाएगा, लेकिन आंशिक रूप से रंग-रोगन और साज-सज्जा के लिए प्रयास किए जाएंगे। पुरानी बस्ती स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के पुजारी तिलक दास महाराज ने बताया कि इस बार भगवान के रथ में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया जाएगा। रंग-रोगन का सिलसिला भी सुगंधित द्रव्य से शाही स्नान के बाद शुरू होगा।



15 जुलाई को भक्त करेंगे भगवान का नयन दर्शन

सदर बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रमुख मोहित पुजारी ने बताया कि रथयात्रा में होने वाले आयोजनों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा चुका है। इस साल रथ को खास लुक देने का क्रम 29 जून के बाद शुरू होगा। इसी दिन भगवान शाही स्नान करने के बाद बीमार होने और एकांतवास में जाएंगे। इसके बाद वैद्य द्वारा नाड़ी परीक्षण के बाद औषधि अर्पित करने की सलाह के बाद काढ़े का भोग अर्पित किया जाएगा। इसे आने वाले भक्तों को प्रसाद स्वरूप देने का सिलसिला 14 जुलाई तक चलेगा। 15 जुलाई को श्रद्धालु भगवान का नयन दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे। साथ ही 16 जुलाई को भक्तिभाव से रथयात्रा निकाली जाएगी।

पारंपरिक तरीके से नियम का पालन

पुरानी बस्ती लिली चौक स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर भले ही 45 साल पुराना है, लेकिन यहां नियमों का पालन जगन्नाथ पुरी की तरह ही किया जाता है। पुजारी पं. संजय जोशी ने बताया कि इस परंपरा को उनके पिता ने शुरू किया था। इसका अनुसरण इस साल भी सोमवार से किया जाएगा। निशा पूजा, आरती के बाद मध्याह्न भोग अर्पित करने के बाद शाम को पांच प्रकार के सुगंधित द्रव्यों से भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा शाही स्नान करेंगे। अधिक स्नान करने से वे बीमार होकर एकांतवास में जाएंगे। इसके बाद पारंपरिक तरीके से उत्सव का विधान किया जाएगा। नयन दर्शन के बाद 16 जुलाई को धूमधाम से रथयात्रा निकलेगी।

रंग-रोगन और साज-सज्जा से सजाएंगे रथयात्रा

गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रमुख एवं उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा ने बताया कि आगामी सोमवार को ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि मिल रही है। इसी दिन भगवान शाही स्नान करेंगे, इस अवसर पर पुण्य लाभ लेने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु सपरिवार शामिल होने के लिए आते हैं। इसे देखते हुए व्यवस्थागत तैयारी के लिए रूपरेखा तय की गई है। रथयात्रा उत्सव से पहले रंग-रोगन और साज-सज्जा का क्रम शुरू होगा। श्री मिश्रा ने बताया कि इस साल रथों में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया जाएगा, लेकिन परंपराओं का निर्वहन विधि-विधान से किया जाएगा।

इंटीमेट और थीम-बेस्ड डेस्टिनेशन में परफेक्ट मानसून फील के साथ विवाह बंधन में सात फेरे ले रहे कपल्स

रायपुर। शहर में मानसून वेडिंग को लेकर इंटीमेट और थीम-बेस्ड डेस्टिनेशन शायदियों का चलन बढ़ा है। कपल्स भव्य और खर्चीले आयोजनों के बजाय शहर के आसपास बेहतरीन डेस्टिनेशन में करीबी दोस्तों और परिवार के बीच छोटे समारोहों, वीन-बोटनिकल डेकोर और आरामदायक मौसम का अनुभव लेने को प्राथमिकता दे रहे हैं। शहर की जानी-मानी एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में वेडिंग सेटअप एक्सपर्ट के रूप में कार्य कर रही श्रेया अग्रवाल बताती हैं कि राजधानी में मानसून वेडिंग के लिए जरूरी भव्य स्टेज सेटअप कपल्स व फैमिली के डिमांड के अनुरूप ऑनग्राइज कर रहे हैं। अब शहर में भी मुंबई, दिल्ली व दूसरी मेट्रो सिटीज की तर्ज पर भव्य मानसून वेडिंग को लेकर इवेंट मैनेजमेंट कंपनियां मेमोरिबल व यादगार वेडिंग डेकोरेशन तथा सेटअप निर्माण कर रहे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि मानसून वेडिंग में जो सबसे खास और लोकप्रिय ट्रेंड चलन में है, उनमें इंडोर थीम डेकोर और हरियराली नेचुरल थीम है। इसमें ओपन गार्डन के बजाय, कपल्स का कमरे के पारदर्शी मंडप और वाटरप्रूफ टेंट का विकल्प चुन रहे हैं, जहां से बाहर की हरियाली और बारिश का नजारा दिखात रहे।



आउटफिट्स में हल्के और पेस्टल रंग कपल्स की पसंद

ट्रेंडी वेडिंग आउटफिट्स हल्के और पेस्टल रंग कपल्स मारी-भरकम और गहरे रंगों की पोशाकों की जगह हल्के वजन (लाइटवेट) वाले पेस्टल और प्लोरल प्रिंट्स वाले कपड़ों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इंडो-वेस्टर्न स्टाइल: शायदियों में इंडो-वेस्टर्न और स्मार्ट-कैजुअल ट्रेजेज का चलन जोरों पर है।

खास लोगों की मौजूदगी में शादी

इको-फ्रेंडली और निजी समारोह छोटी गेस्ट लिस्ट में मेहमानों की लंबी सूची को बचाय 50-100 खास लोगों की मौजूदगी में शादी करने का ट्रेंड चल रहा है, जिससे बजट भी सही रहता है और पर्सनल टच बना रहता है। जो शादी को प्लानिंग कर रहे हैं और इन ट्रेंडी आइडियाज को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, वे शादी के लिए बेस्ट वेडिंग प्लानर्स या मानसून फ्रेंडली वेन्यू का चयन कर रहे हैं।

शादी में मॉनसून मेन्यू गरमागरम लाइव स्टॉल्स

मानसून वेडिंग में कैटर सर्विस करने वाले संचालक आयुष गुप्ता ने बताया कि इस सीजन की शायदियों में मानसून मेन्यू गरमागरम लाइव स्टॉल की डिमांड चल रही है। बारिश के अनुकूल खानपान में पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ स्प, चाय-पकौड़े और डॉट-कॉफ़ी के लाइव स्टॉल्स मेहमानों को बहुत आकर्षित कर रहे हैं। इन्फ्यूजिड बीस्टर ड्रिंक्स के मेन्यू में हर्बल चाय और मौसमी फलों के ताजे जूस को शामिल किया जा रहा है।

गायत्री जयंती और गंगा दशहरा पर गायत्री शक्तिपीठों में महायज्ञ

धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन में निशुल्क संस्कार, पांच कुण्डीय महायज्ञ में दी गई आहुति

कार्न न्यूज

रायपुर। गायत्री जयंती एवं गंगा दशहरा के अवसर पर समता कॉलोनी और दावड़ा कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठों में भव्य धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन किया गया। इस पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने आत्मकल्याण, जनकल्याण और विश्व कल्याण की कामना करते हुए आहुतियां दीं। महायज्ञ के दौरान समाज को सुसंस्कारी बनाने के उद्देश्य से वैदिक परंपराओं के अनुसार तीन पुंसवन, आठ विद्यारंभ, तीन अन्नप्राशन एवं दस लोगों का जन्मदिन संस्कार पूरी तरह निशुल्क मनाया गया। गायत्री परिवार के प्रबुद्धजनों ने इन संस्कारों के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। महायज्ञ की पूर्णाहुति के बाद दोनों शक्तिपीठों में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें गायत्री शक्तिपीठ के ट्रिस्टियों के साथ प्रमुख परिजनों और पदाधिकारियों ने सहभागिता निमाई।



सप्त आंदोलन को गति देने तय किया दायित्व

गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा शुरू किए गए 'सप्त आंदोलन' साधना, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, नारी जागरण, व्यसन मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण को गति देते हुए आगामी दिनों में आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्ययोजनाओं पर विचार साझा किया गया। गोष्ठी में मुख्य रूप से समता कॉलोनी में शांतिकुंज हरिद्वार से छत्तीसगढ़ के प्रमारी सुखदेव निर्मलकर, जोन समन्वयक आदर्श वर्मा, जिला समन्वयक लक्ष्मण निषाद, शक्तिपीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस, ट्रस्टी सदाशिव हथमल, हनुमान प्रसाद अग्रवाल, दीनानाथ शर्मा, शैलेश वर्मा, रामरतन सोनबेर एवं दावड़ा कॉलोनी में मुख्य प्रबंध ट्रस्टी सुखदेव देवांगन, ज्योति दावड़ा, साधना काले शामिल हुए।

फिजियोथैरेपी सेंटर में उपयोग के लिए दान

मीडिया प्रमारी प्रज्ञा प्रकाश निगम ने बताया कि वर्ष 1990 में गायत्री जयंती के दिन गायत्री परिवार के संरक्षक, संस्थापक वेदमूर्ति आचार्य पं. श्रीराम शर्मा ने स्थूल शरीर के बंधनों से मुक्त होकर भौतिक शरीर को त्यागकर इसी पावन दिन मां गायत्री की गोद में लौन हो गए थे। इसलिये यह दिन उनके महाप्रयाण का दिन है। गायत्री जयंती के पुण्य अवसर पर प्रफुल्ल अग्रवाल ने अपने पिता स्व. अशोक अग्रवाल की स्मृति में गायत्री शक्तिपीठ समता कालोनी में संचालित फिजियोथैरेपी सेंटर में उपयोग के लिए एक व्हीलचेयर एवं वॉकर प्रदान किया।

इन स्थानों पर भी आयोजन

मुख्य शक्तिपीठों के अलावा गायत्री परिवार की रीढ़ माने जाने वाले सभी प्रज्ञापीठों और प्रज्ञा मंडलों में प्रमुख रूप से तेलीबांधा, संतोषी नगर, कुशालपुर, टाटीबंध, कोटा, खमतराई, राजातालाब, बोरियाखुर्द, महादेवघाट में भी भक्तिमय माहौल रहा। सकारात्मक ऊर्जा के लिए सभी प्रज्ञापीठ और प्रज्ञा मंडल में एक कुंडीय गायत्री यज्ञ किया गया। इसमें स्थानीय लोगों ने भी हिस्सा लिया। आयोजन के बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस धार्मिक आयोजन ने शहर के वातावरण को अध्यात्म, सेवा और संकरूप की त्रिवेणी से सराबोर किया।

हेल्थ टिप्स

सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं ब्यूटी प्रोडक्ट



ये बात ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती है कि उनके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाला मेकअप कैन्सर जैसी घातक बीमारी का कारण बन सकता है। आज के समय में मेकअप प्रोडक्ट्स हर महिला की लाइफस्टाइल का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स आपकी सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं? खासकर लंबे समय तक कुछ खास मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल शरीर में टॉक्सिक असर डाल सकता है और गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। कई रिसर्च में पाया गया है कि कुछ मेकअप प्रोडक्ट्स में लेड, पैराबेन्स, टालक और फॉर्मिलिडहाइड जैसे हानिकारक केमिकल्स पाए जा सकते हैं। ये केमिकल्स स्किन के जरिए शरीर में प्रवेश कर हार्मोनल बैलेंस को बिगाड़ सकते हैं। पर, हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि सभी प्रोडक्ट्स खतरनाक नहीं होते, लेकिन सस्ते और बिना जाँचे-परखे कॉस्मेटिक्स का लगातार उपयोग रिस्क बढ़ा सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम सुरक्षित और सर्टिफाइड ब्यूटी प्रोडक्ट्स का ही चयन करें।

लिपस्टिक

लिपस्टिक महिलाओं द्वारा सबसे ज्यादा



इस्तेमाल किया जाने वाला मेकअप प्रोडक्ट है, लेकिन कई सस्ती और अनरेगुलेटेड लिपस्टिक में लेड, कैडमियम और अन्य भारी धातुएं पाई जा सकती हैं। ये केमिकल्स धीरे-धीरे शरीर में जमा होते रहते हैं। लंबे समय तक लगातार इस्तेमाल से यह नर्वस सिस्टम, किडनी और हार्मोन बैलेंस पर असर डाल सकते हैं। कुछ रिसर्च में इन्हें कैंसर रिस्क से भी जोड़ा गया है, खासकर जब इनका सेवन अनजाने में (खाने के साथ) शरीर में चला जाता है।

फाउंडेशन

फाउंडेशन स्किन पर एक लेयर की तरह काम करता है, लेकिन इसमें मौजूद पैराबेन्स, सिलिकोन और प्रिज़रवेटिव्स स्किन के पोर्स के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। ये तत्व लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर हार्मोनल सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ स्टडीज में पैराबेन्स को ब्रेस्ट कैंसर रिस्क से भी लिंक किया गया है, हालांकि यह पूरी तरह साबित नहीं है, लेकिन सावधानी जरूरी है।

फेस पाउडर

टैल्क आधारित फेस पाउडर काफी लोकप्रिय है, लेकिन अगर इसमें एस्बेस्टस जैसी अशुद्धियां मौजूद हों, तो यह गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। एस्बेस्टस एक ऐसा पदार्थ है जिसे लंबे समय तक सांस के जरिए शरीर में जाने पर फेफड़ों के कैंसर से जोड़ा गया है। इसलिए हमेशा एस्बेस्टस-फ्री सर्टिफाइड प्रोडक्ट्स का ही उपयोग करना चाहिए।

आईलाइनर

कुछ सस्ते आईलाइनर में फॉर्मिलिडहाइड, कोल टार डाई और सिंथेटिक केमिकल्स का उपयोग किया जाता है। ये आंखों में जलन, एलर्जी और लंबे समय में स्किन डैमेज का कारण बन सकते हैं। लगातार उपयोग से ये केमिकल्स शरीर में टॉक्सिक असर डाल सकते हैं, जिसे कई हेल्थ रिपोर्ट्स में कैंसर रिस्क से जोड़ा गया है।



छोटी उम्र से ही गांठ बांध लींजिए कुछ जरूरी बातें तो रहेगा आपका दिल मजबूत

सभी उम्र के लोगों में बढ़ती ही जा रही हृदय रोग- हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्याएं, इनसे बचिए

हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इसलिए इन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। लोग अक्सर जानना चाहते हैं कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

दरअसल, हृदय रोग की समस्याएं सभी उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही हैं। हाल के वर्षों में 30 से कम आयु वालों में हार्ट अटैक और इससे मौत के मामले काफी बढ़ गए हैं। हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इन दिनों को कंट्रोल में रखना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है। क्या आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित है?

कोलेस्ट्रॉल का नाम सुनते ही अक्सर दिल की बीमारियों का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल वास्तव में इतना भी बुरा नहीं है? वास्तव में, यह शरीर की कोशिकाओं की बनावट, हार्मोन्स के निर्माण और पाचन में जरूरी भूमिका निभाता है। समस्या तब होती है जब शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है और गुड कोलेस्ट्रॉल की घट जाती है। अब आपके मन में भी सवाल आ रहा होगा कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद



से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण होने वाली समस्याएं

हृदय रोग विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र से ही अगर जीवनशैली में सुधार कर लिया जाए तो बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचा जा सकता है। यूएस स्थित कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एड्रियाना क्विनोनेस-कैमाचो कहती हैं, हाई कोलेस्ट्रॉल का स्तर आपके हृदय के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल वर्षों से आपकी धमनियों की दीवारों में जमा होता है। प्लाक के निर्माण करके धमनियों को संकरा और सख्त कर देता है, जिससे हृदय रोग, दिल के दौर और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में आपके खराब आहार और गड़बड़ जीवनशैली की मुख्य भूमिका होती है। जो लोग संतुप्त और ट्रांस फैट वाली चीजें अधिक खाते हैं, गतिहीन जीवनशैली जीते हैं, अत्यधिक धूम्रपान और शराब का सेवन करते हैं, मोटापा या मधुमेह जैसी बीमारियों का शिकार हैं उनमें ये दिक्कत अधिक देखी जाती है। इसका मतलब है कि अगर कम उम्र से ही इनमें सुधार कर लिया जाए तो कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के खतरे से बचा जा सकता है।



खाना हो गया है जरूरत से ज्यादा तीखा तो ऐसे पाएं राहत

अगर खाना जरूरत से ज्यादा तीखा हो गया है, तो उसमें अतिरिक्त सामग्री मिलाकर मात्रा बढ़ाना, नींबू या सिरका जैसी खट्टी चीजें डालना, शोकाब मिलाना, थोड़ी चीनी या शहद का उपयोग करना और दूध, दही या क्रीम जैसी डेयरी चीजें मिलाना सबसे प्रभावी उपाय हैं। ये तरीके तीखेपन को संतुलित करके खाने का स्वाद बेहतर बनाते हैं। रसोई में खाना बनाते समय कभी-कभी हाथ फिसल

जाता है और सब्जी, दाल, करी या सूप में मिर्च जरूरत से ज्यादा पड़ जाती है। एक पल में मेहनत से तैयार किया गया स्वादिष्ट भोजन इतना तीखा हो जाता है कि उसे खाना मुश्किल लगने लगता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि अब इस खाने को फेंकने के अलावा कोई



विकल्प नहीं बचा। लेकिन अच्छी बात यह है कि कुछ आसान किचन ट्रिक्स की मदद से आप ज्यादा तीखे खाने को आसानी से संतुलित कर सकते हैं। पेशेवर शेफ और फूड एक्सपर्ट्स भी तीखेपन को कम करने के लिए कुछ खास तरीकों का इस्तेमाल करते हैं।

वास्तु के अनुसार होना चाहिए पूजा घर, जानिए जरूरी बातें

पूजा घर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि जीवन में संतुलन और समृद्धि का माध्यम भी है। इसलिए पूजा घर बनवाते समय वास्तु से जुड़ी कुछ आवश्यक बातों का ध्यान रखना अत्यंत जरूरी है।

पूजा घर की शुभ दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पूजा घर के लिए सबसे उत्तम दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) होती है। यह दिशा भगवान शिव और जल तत्व से संबंधित मानी गई है, जिससे पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यदि यह दिशा उपलब्ध न हो, तो पूर्व दिशा को दूसरा सर्वोत्तम विकल्प माना जाता है। पूजा करते समय व्यक्ति का मुख भी पूर्व या उत्तर की ओर होना चाहिए, इससे साधना में एकाग्रता आती है और ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है।

पूजा घर का स्थान और संरचना

पूजा घर को कभी भी शौचालय, बाथरूम या सोड़ियों के नीचे नहीं बनाना चाहिए। यह स्थान शांत, स्वच्छ और ऊर्जा से भरपूर होना चाहिए। यदि घर छोटा है, तो ड्राइंग रूम के उत्तर-पूर्व कोने को पूजा के लिए चुना जा सकता है। मंदिर को हमेशा जमीन से कुछ ऊंचाई पर रखें और उसके नीचे किसी भी प्रकार का सामान स्टोर न करें। मंदिर की दीवार पर लकड़ी की पीठ या प्लेटफॉर्म लगाया जा सकता है।

मूर्तियों की व्यवस्था

मंदिर में स्थापित मूर्तियां 9 इंच से अधिक ऊंची नहीं होनी चाहिए और उन्हें दीवार से थोड़ा दूर रखें ताकि पीछे की ओर हवा का प्रवाह बना रहे। खंडित या टूटी हुई मूर्तियों को तुरंत मंदिर से हटा देना चाहिए क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा फैलाती हैं। भगवान की मूर्तियों को



संख्या भी सीमित होनी चाहिए। एक ही देवता की कई मूर्तियों को एकसाथ न रखें।

मंदिर का रंग और सजावट

पूजा घर के रंग हल्के और शुभ होने चाहिए, जैसे कि सफेद, हल्का पीला, गुलाबी या क्रीम। गहरे या काले रंगों से बचना चाहिए क्योंकि ये मन और वातावरण पर भारी प्रभाव डालते हैं। मंदिर में धूपबत्ती, दीपक, शंख और घंटी की व्यवस्था अवश्य करें। रोजाना दीपक जलाने और सुगंधित धूप लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

पूजा घर से जुड़ी कुछ सावधानियां

मंदिर को रसोईघर या शयनकक्ष में न बनाएं। यदि जगह की कमी के कारण ऐसा करना पड़े, तो मंदिर को लकड़ी की अलमारी में बनाकर उसे पंख से ढक सकते हैं। पूजा स्थान में कभी भी जूते-चप्पल लेकर न जाएं और वहां मोबाइल फोन या अन्य ध्यान भटकाने वाली वस्तुएं न रखें। पूजा घर को हमेशा स्वच्छ और सुगंधित बनाए रखें।

खान-पान में बदलाव जरूरी

अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, डाइटरी फाइबर वाली चीजों को आहार में अधिक से अधिक शामिल करके बैड कोलेस्ट्रॉल को 5-10 फीसदी तक कम कर सकता है। दलिया, साबुत अनाज, सेब और बीन्स का सेवन बढ़ाने से आपको लाभ मिल सकता है।

ट्रांस फैट से बचें और ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा बढ़ाएं

बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचे रहने का एक



फार्मूला ये भी है कि आहार में ट्रांस फैट वाली चीजें जैसे बेकरी आइटम्स, फ्राई चीजों की मात्रा कम कर दें। इस तरह के खाद्य पदार्थ भी कोलेस्ट्रॉल की समस्या को बढ़ाने वाले हो सकते हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओमेगा-3 फैटी एसिड वाली चीजों को अपने आहार में शामिल करने से हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम 30% तक कम हो सकता है। अखरोट, अलसी के बीज, मछली और एवोकाडो आदि को आहार का हिस्सा बनाएं।

इन उपायों पर भी देते रहें ध्यान

डॉक्टर कहते हैं, कोलेस्ट्रॉल की समस्या कोई अचानक आने वाली बीमारी नहीं है, यह वर्षों तक चुपचाप शरीर में बढ़ती है। लेकिन यदि हम आज से ही अपने खानपान, व्यायाम, सोच और आदतों में बदलाव लाएं तो न केवल हम कोलेस्ट्रॉल से बल्कि उससे जुड़ी हृदय संबंधी बीमारियों से भी सुरक्षित रह सकते हैं।

खाने की मात्रा बढ़ाएं

अगर सब्जी, करी या सूप में मिर्च ज्यादा हो गई है, तो सबसे आसान उपाय है उसकी मात्रा बढ़ा देना। उदाहरण के लिए, अगर दाल ज्यादा तीखी हो गई है तो उसमें अतिरिक्त दाल या पानी मिला सकते हैं। सब्जी में अतिरिक्त सब्जियां, आलू या अन्य सामग्री मिलाने से मिर्च का प्रभाव पूरे भोजन में फैल जाता है।



'प्रोसेस्ड फूड' की दीवानगी ठीक नहीं, सीमित मात्रा में लेना बेहतर

अधिकतर प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे होते हैं जो सेहत के लिए हानिकारक होते हैं, लेकिन कुछ प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे भी होते हैं जिन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो वो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रोसेस्ड फूड बहुत से लोगों के जीवन शैली का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। नूडल्स, चिप्स, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ और रेडी-टू-ईट भोजन अपनी सुविधा के कारण बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। बेशक ये फूड्स हमारा समय बचाते हैं, लेकिन इसको लेकर कुछ लोगों के मन में अक्सर ये सवाल रहता है कि क्या प्रोसेस्ड फूड वाकई हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं? इस सवाल का सही जवाब जानने के लिए सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि प्रोसेस्ड फूड होता क्या है? यह भी जानना जरूरी है कि सभी प्रोसेस्ड फूड एक जैसे नहीं होते हैं। प्रोसेस्ड फूड की दुनिया काफी जटिल है, कुछ ऐसे हैं जिनसे पूरी तरह से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें चीनी, नमक और अल्ट्राव्हाइट फैट मौजूद होता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें सीमित मात्रा में या सही चुनाव के साथ अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। आइए, प्रोसेस्ड फूड के बारे में विस्तार से जानते हैं, साथ ही उनके संभावित नुकसानों और उनसे बचने या सुरक्षित विकल्पों को चुनने के बारे में भी जानेंगे।

प्रोसेस्ड फूड क्या है?



प्रोसेस्ड फूड वह खाद्य पदार्थ है, जिसे स्वाद, शेल्फ-लाइफ, या सुविधा के लिए रासायनिक प्रक्रिया से तैयार किया जाता है। इसमें फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद फल, और चिप्स जैसे स्नैक्स शामिल हैं। हालांकि, सभी प्रोसेस्ड फूड हानिकारक नहीं होते। उदाहरण के लिए, फ्रोजन मटर या पाश्चुरीकृत दूध न्यूनतम प्रोसेसिंग के साथ पौष्टिक हो सकते हैं। लेकिन अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड, जैसे कि चीनी युक्त पेप, पैकेज्ड स्नैक्स, और रेडी-मेड भोजन, सामान्यतौर पर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होते हैं।

हानिकारक प्रोसेस्ड फूड और उनके खतरे

अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड में चीनी, नमक, ट्रांस फैट, और कृत्रिम रसायन जैसे प्रिज़र्वेटिव्स और रंग अधिक मात्रा में होते हैं। इंस्टेंट नूडल्स, चिप्स, बर्गर, और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का नियमित सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाता है। इनमें पोषक तत्व कम और कैलोरी अधिक होती है, जिससे पाचन तंत्र पर भी बुरा असर पड़ता है।

Education Time

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL

Admission Open
For Pre Primary & Classes 1st - 12th (Maths, Bio, Arts, Com.)

Register Now at www.mesraipur.com

Civil Lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.)
Contact : 94252-14413, 93296-21221

Bright Kids ACADEMY

ADMISSION OPEN!
Session: 2026-27

PRESCHOOL DAYCARE CENTRE
Playgroup ~ Nursery ~ LKG ~ UKG

Transportation Facilities Available
+91 96696 53335, 78282 53335

Web.: <https://brightkidmont.com/schools/best-pre-school-in-raipur-bright-kids-academy>
Address: Near Ramkrishna Hospital, Triveni Vihar, Pachpedi Naka Raipur (C.G.)

ROYAL PUBLIC SCHOOL

In Pursuit of Excellence
Admission Open
For Play Group, Pre-Primary, Classes 1st to 12th (Maths, Bio, Com. Arts)

Chourasiya Colony Near, Simran City Santoshi Nagar, Raipur
Call - 0771-4913336, 9589085558

Transport Service Available

रायपुर बाजार

Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पटेल बोरवेल्स

संतोषी नगर, रायपुर
9200003357, 7999898750

मोटर वाइडिंग, वाटर पंप, रिपेयरिंग कार्य किया जाता है।

पैसा चाहिए ? हमारे पास आइए

(केवल विजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
अज्र लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये

न्यूनतम कागजी कार्यवाही 5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन

मोटवानी फायनेंस
93404-44755

गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीवांच, रायपुर

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

8 करोड़ में बनी 'ऑब्सेस', 'बैकरूम्स' की कमाई देखकर हैरान हुए स्पीलबर्ग

हॉलीवुड निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने इन दिनों सिनेमाघरों में लगी फिल्मों 'ऑब्सेस' और 'बैकरूम्स' की तारीफ की है। उन्हें यह बात अच्छी लगी है कि कम बजट में बनीं फिल्में अच्छी कमाई कर रही हैं।हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग अक्सर नई फिल्में देखते हैं। जो फिल्में उन्हें अच्छी लगती हैं उनकी तारीफ करते हैं। हाल ही में नई रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्में 'ऑब्सेस' और 'बैकरूम्स' 79 साल के स्पीलबर्ग को बहुत पसंद आई हैं। दोनों फिल्में कम बजट की हैं और अच्छी कमाई कर रही हैं। इसलिए उन्होंने दोनों फिल्मों की तारीफ की है। हाल ही में फिल्म 'डिस्कलोजर डे' की स्क्रीनिंग के दौरान, स्पीलबर्ग ने फिल्म के लिए रेड कार्पेट पर वॉक किया। यह फिल्म 12 जून को रिलीज हुई। 'पॉप डॉप' के साथ बातचीत में स्पीलबर्ग ने 'ऑब्सेशन' और 'बैकरूम्स' के बारे में कहा 'मैं उनके लिए बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह बहुत शानदार है।' उन्होंने जोश के साथ कहा, 'मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छी बात है कि उनके पास बहुत कम पैसे थे- खासकर 'ऑब्सेशन' का बजट 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8 करोड़ रुपये) से भी कम था और दूसरी फिल्म का बजट शायद नौ या दस मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) था। फिर भी वे इतना अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। मैं उनकी तारीफ करता हूं।' उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक 'बैकरूम्स' नहीं देखी है, लेकिन भागदौड़ खत्म होने के बाद इसे जरूर देखेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'मैंने 'ऑब्सेशन' देखी है और मुझे वह बहुत पसंद आई।'

टॉलीवुड

केक काटते विजय को निहारती दिखीं तृषा अलगाव की अटकलों पर लगाया विराम

तृषा कृष्णन की एक सो श ल मीडिया पोस्ट ने उन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि उनके और विजय के रिश्ते में दूरी आ गई है। तृषा ने देर से ही सही लेकिन मंगलवार शाम विजय के जन्मदिन पर एक प्यार भरी पोस्ट साझा की है। एक दिन बाद तृषा कृष्णन ने अपने करीबी दोस्त और तमिलनाडु के नए सीएम विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। इस पोस्ट के साथ एक व्यूट मैसेज भी लिखा है। इस पोस्ट पर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं। साथ ही विजय और तृषा के बीच बढ़ती दूरियों की अटकलों पर भी इस पोस्ट ने विराम लगा दिया। तृषा के साथ विजय तस्वीर में नजर आ रहे हैं, वह अपने जन्मदिन का केक काट रहे हैं। तृषा उन्हें प्यार से निहार रहे हैं। अपने इंस्टाग्राम पेज पर यह तस्वीर साझा करने के साथ तृषा ने कैप्शन में लिखा है, 'उस इंसान को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। जिसकी वजह से सब कुछ इतना खास लगता है।' आगे तृषा ने हार्ट और नजर न लगने वाला इमोजी बनाया है। बता दें कि तृषा हर साल विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं सोशल मीडिया पर देती थीं। लेकिन इस साल ऐसा नहीं हुआ। जन्मदिन वाले दिन तृषा ने विजय के लिए कोई पोस्ट नहीं की। हां, एक दिन बाद पोस्ट कर दी है। लेकिन जब तक तृषा की पोस्ट सामने नहीं आई थी तो फैंस को लगा कि इनके रिश्ते में दूरी आ गई है। साथ ही कुछ फैंस ने तृषा के इंस्टाग्राम पर देखा कि उन्होंने विजय को फॉलो भी नहीं किया हुआ था। इससे फैंस ने अंदाजा लगा लिया कि तृषा ने विजय को अनफॉलो कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार विजय थलापति और तृषा कृष्णन काफी करीबी हैं। दोनों के रिलेशनशिप में होने की अटकलें सुनने को मिलती हैं।

भोजपुरी

समर का 'दिल परेशान' हुआ रिलीज दिलों को छू गया दर्द भरा यह गाना

भोजपुरी सुपरस्टार समर सिंह का नया गाना 'दिल परेशान' रिलीज होते ही दर्शकों के बीच छा गया है। समर सिंह की अदाकारी और सुरों की गहराई ने इस गाने को हर दिल अजीज बना दिया है। समर सिंह का नया गाने आते ही छाया भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री के फेमस स्टार समर सिंह का नया इमोशनल सॉन्ग रदिल परेशानर हाल ही में भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज होते ही वायरल हो गया है। यह गाना टूटे दिलों की पीड़ा, मोहब्बत की तड़प और रिश्तों की उलझन को बेहद भावुक अंदाज में पेश करता है, जिसे दर्शकों और श्रोताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। गाने की रिलीज पर समर सिंह ने कहा, रदिल परेशान मेरे दिल के बहुत करीब है। ये सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की आवाज है जिनका दिल टूट चुका है, जिन्होंने प्यार में दर्द सहा है। मैंने कोशिश की है कि अपनी आवाज से उन भावनाओं को जीवंत कर सकूं। मुझे खुशी है कि लोग इस गाने से जुड़ पा रहे हैं।

इस गीत को समर सिंह ने अपनी दमदार और दर्दभरी आवाज से सजाया है, वहीं स्क्रीन पर उनके साथ शिल्पी राघवानी की शानदार परफॉर्मेंस ने भावनाओं को और गहराई दी है। गाने के गीतकार गौतम राय ने जज्बातों को शब्दों में पिरोया है, जबकि संगीतकार रोशन सिंह ने दर्द और मेलोडी का ऐसा संगम रचा है जो श्रोताओं के दिल को छू जाता है। वीडियो डायरेक्शन की जिम्मेदारी वंकट महेश ने निभाई है, जिन्होंने हर एक दृश्य को भावनाओं के अनुरूप पेश किया है। गाने की कोरियोग्राफी विक्की फ्रांसिस, और क्रिएटिव डायरेक्शन नितेश सिंह के मार्गदर्शन में तैयार की गई है।

वर्ल्ड ट्रेंड्स



लाइफ स्टाइल

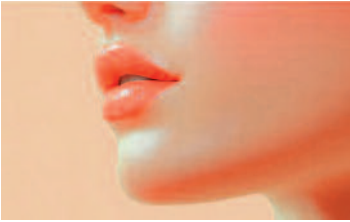
2026 के लिए दुनिया भर में फ़ैशन ट्रेंड्स में सादगी और आराम के साथ एलिगेंस को बढ़ावा मिल रहा है। अभ मज्जेदार रेट्रो मैक्सिमलिज्म और पूरी तरह से अपनी पसंद के हिसाब से स्टाइलिंग की जा रही है। यह ट्रेंड रोज़मर्रा के आरामदायक कपड़ों को ऐसी चीज़ों के साथ मिलाता है जो आपकी पर्सनैलिटी को खुलकर ज़ाहिर करती हैं।

गुलाबी होंठों की दुश्मन हैं आपकी ये आदतें,इन्हें आज ही छोड़ दें

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में गुलाबी होंठों का काफी योगदान होता है। इसकी वजह से चेहरा देखने में बेहद खूबसूरत लगता है। पर, कई बार होंठों का रंग बदलकर अपने आप ही काला होने लगता है, जिससे चेहरा भी अजीब दिखता है। होंठों के रंग बदलने के बाद उसपर अगर लिपस्टिक भी लगाई जाए तो भी लुक परफेक्ट नहीं आता। यदि आपके साथ भी ये दिक्कत है तो आपको संभलने की जरूरत है। ज्यादातर लोगों के होंठों का रंग बदलने का कारण उनकी खुद की कुछ आदतें होती हैं। यहां आपको जानना चाहिए कि कौन सी वो तीन आदतें हैं, जो आपके होंठों की दुश्मन हैं।

बार-बार होंठों को चबाना

अगर आपकी आदत बार-बार अपने होंठों को चबाने की है, या फिर आप बार-बार अपना होंठ चाटते हैं तो इससे उनकी ड्राईनेस बढ़ जाती है। तब होंठ ज्यादा रूखे हो जाते हैं तो वो फटते भी ज्यादा हैं। इसके बाद उनका रंग गुलाबी से बदलकर धीरे-धीरे काला होने लगता है। तो



अगर आप भी बार-बार अपने होंठों को चाटते हैं, या चबाते हैं तो ये आदत आज ही छोड़ दीजिए।

खराब क्वालिटी के

प्रोडक्ट इस्तेमाल करना

बाजार में आज-कल 10 रुपये में भी लिप बाम बड़ी आसानी से मिल जाता है। ये लिप बाम भले ही आपके होंठों को मुलायम बना देते हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल से होंठों की आंतरिक और बाहरी तरह को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए चाहे लिप बाम हो या फिर लिपस्टिक, उसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखें, ताकि इसका

काले घेरों से बचने अपनाएं ग्लिसरीन का खास उपाय

अगर आप भी अपनी आंखों के नीचे होने वाले डार्क सर्कल्स को कम करना चाहती हैं, तो इस खास घरेलू नुस्खे को आजमा सकती हैं। आंखों के नीचे होने वाले काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए आप ग्लिसरीन का इस्तेमाल कर सकती है। ग्लिसरीन आपकी आंखों के नीचे होने वाले डार्क सर्कल्स को कम करने में लाभदायक हो सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए आप सबसे पहले आलू को कद्दूकस कर उसका रस अलग कर ले। इस रस में थोड़ा ग्लिसरीन और कुछ बूंद नींबू की ऐड कर दें। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में या किसी छोटी डिब्बी में भरकर रखें।

इन बातों का रखें ध्यान

अब आपका मिश्रण बनकर तैयार हो गया है आप रोजाना रात में सोने से पहले इसे अपनी आंखों के नीचे लगाकर सो सकती है। लेकिन

ध्यान रहे जब भी आप डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए इस मिश्रण का इस्तेमाल करें, तो अपनी आंखों का जरूर ध्यान रखें। क्योंकि अगर गलती से यह मिश्रण आंखों में चला गया तो इससे आपको दूसरी परेशानी हो सकती है। आप इस मिश्रण का रोजाना रात में सोने से पहले इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहे तो इसे सुबह-सुबह भी आंखों के नीचे लगा सकती हैं। किसी भी चीज का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, क्योंकि कुछ लड़कियों की स्किन पर इससे रिएक्शन हो सकता है।

कार्नर न्यूज

कम उम्र में ही पुरुष गंजेपन के शिकार हो रहे, दुनिया भर में बढ़ रही तादाद

हेयर फॉल से परेशान लोगों को जानना चाहिए डीएचटी ब्लॉकर्स को, रुक सकती है परेशानी



हैं। ये पूरा सच नहीं है। इसमें डाइट और स्ट्रेस जैसे फैक्टर्स भी हैं, जो हेयर ग्रोथ और हेयर लॉस दोनों को बढ़े पैमाने पर प्रभावित करते हैं। जब भी हेयर लॉस की चर्चा होती है तो, डीएचटी का नाम भी लिया जाता है। डॉक्टर और डर्मैटोलॉजिस्ट भी अपने मरीजों से अक्सर डीएचटी सेंसिटिविटी की चर्चा करते हैं। इसे हेयर फॉल की

सीरियस मामलों और मेल पैटर्न बाल्डनेस जैसी समस्याओं की मुख्य वजह भी माना जाता है। इसलिए आपको जानना चाहिए कि, डीएचटी ब्लॉकर्स और डीएचटी सेंसिटिविटी क्या है? इसके अलावा, हेयर फॉल की समस्या में डीएचटी ब्लॉकर्स और सेंसिटिविटी का क्या योगदान है? डीएचटी या डाइहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन एक बहुत ही महत्वपूर्ण मेल हार्मोन है। जिसका सीधा असर बियर्ड और बालों की ग्रोथ पर पड़ता है। यही वो फैक्टर है, जिससे हमारी यौन क्षमता और आवाज का भारीपन या बेस भी तय होता है। लेकिन अगर डीएचटी की सेंसिटिविटी कम हो जाए तो भी समस्याएं होती हैं और अगर ये आवश्यकता से अधिक एक्टिव हो जाए तो भी कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती हैं। पहले ये जानते हैं कि, डीएचटी ब्लॉकर्स आखिर की चर्चा करते हैं। इसे हेयर फॉल की



डीएचटी क्या है?

डीएचटी (डीएचटी) या डाइहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन एक एंड्रोजेन है। ये शरीर में पुरुषत्व की पहचान मानी जानी वाली चीजों के लिए जिम्मेदार होता है। इन चीजों में सिर के बाल, दाढ़ी, बॉडी हेयर आदि शामिल हैं। इसकी वजह से अंडकोष में वीर्य बनता है। डीएचटी आवाज में भारीपन आता है। किसी इंसान में जितना ज्यादा डीएचटी मौजूद होगा, पूरे शरीर में बाल उतने ही ज्यादा

लिनन पैट्स का क्रेज, स्टाइलिश दिखने के साथ देगा कंफर्ट लुक



एक जैसे आउटफिट पहनने की बजाय अब आप इस तरह की खूबसूरत लिनन पैट्स को ट्राई कर सकती हैं। ऐसी पैट्स इन दिनों महिलाओं के बीच काफी चर्चा में हैं। इन दिनों अधिकतर लड़कियों के बीच लिनन पैट्स का क्रेज बहुत ज्यादा बढ़ गया है। ऐसे में अधिकतर लड़कियां ऑफिस हो या कॉलेज हर जगह इस तरह की पैट पहनना बहुत पसंद कर रही है। अगर आप भी फैशन की दुनिया में कुछ यूनिक और नया ट्राई करने का सोच रही है, तो इस तरह की लिनन पैट्स को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की पैट में आप न सिर्फ स्टाइलिश लुक क्रिएट कर सकती हैं, बल्कि यह आपको आरामदायक लुक देने में भी बेहद मदद करेगा।

लिनन वाइड लेग पैट

अगर आप ऑफिस में एक जैसे कपड़े पहनकर जा रही हैं और कुछ यूनिक ट्राई करना चाहती हैं, तो अब इस तरह की ओलिव कांटैन लिनन वाइड लेग पैट को ट्राई कर सकती हैं। ऐसी पैट आपको कंफर्ट लुक देने में भी बहुत मदद करेगी। इसके साथ आप क्रॉप टॉप और जैकेट भी शामिल कर सकती हैं।

लिनन रेगुलर फिट पैट

फैशन की दुनिया में भीड़ से हटकर दिखने के लिए आप भी अपने आउटफिट में बदलाव करना चाहती है, तो आप इस खूबसूरत लिनन रेगुलर फिट पैट को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की पैट भी इन दोनों बहुत चर्चा में हैं। इस तरह की पैट में आपको और भी कई कंफर्ट मिल जाएंगे। ऐसी पैट आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल सकती है।

खाकी लिनन रेगुलर फिट पैट

आप चाहे तो अपने किसी भी क्रॉप टॉप या शर्ट के साथ इस तरह की खूबसूरत खाकी लिनन रेगुलर फिट पैट को ट्राई कर सकती हैं।



ट्रेंडिंग इयररिंग डिजाइन बनाएंगे आपको खूबसूरत

अगर आप भी अपने ऑफिस लुक को सबसे यूनिक और अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आज हम आपको कुछ ऐसे ट्रेंडिंग इयररिंग डिजाइन बताएंगे, जिसे आप अपने ऑफिस में पहनकर जा सकती हैं।

गोल्डन हेलो इयररिग्स

कुछ महिलाओं के लिए ऑउटफिट के हिसाब से सही एक्सेसरीज चुनना एक मुश्किल काम हो सकता है, ऐसे में अब आप अपने ऑफिस में कैसुअल लुक को खास बनाने के लिए इस तरह के खूबसूरत गोल्डन हेलो इयररिग्स आपके लिए बेस्ट हो सकते हैं। इन्हें आप अपने किसी भी ऑउटफिट के साथ ट्राई कर सकती हैं।

पर्ल परफेक्शन इयररिग्स

अगर आप अपने फॉर्मल लुक में कुछ बदलाव करना चाहती हैं और अपने लुक को गार्जियस बनाना चाहती हैं, तो अब आप इस तरह के खूबसूरत पर्ल परफेक्शन इयररिग्स ट्राई कर सकती हैं। इसे पहनकर आप न सिर्फ अपने लुक को खूबसूरत बना सकती हैं बल्कि यह आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा देगा। ऐसे इयररिंग आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएंगे।



ट्रॉपिकल ग्लोरी गोल्ड इयररिंग

इसके अलावा आप इस तरह के खूबसूरत ट्रॉपिकल ग्लोरी गोल्ड इयररिंग को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे इयररिग्स क्लासिक और सदाबहार होते हैं। ऑफिस लुक को खास बनाने के लिए आप इस तरह के इयररिंग को चुन सकती हैं। ऐसे इयररिंग आप किसी भी तरह के ऑउटफिट के साथ पहन सकती हैं। इसमें आप बेहद खूबसूरत लगेंगी। इसके अलावा आप ऑफिस वियर में मॉडर्न और सोफिस्टिकेटेड लुक क्रिएट करने के लिए इस तरह के खूबसूरत ब्लश लंग्जरी गोल्ड इयररिंग को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे इयररिंग आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने के साथ-साथ आपके लुक को एलिगेंट टच देने में भी बेहद मदद करेगा।